

► पीएम ने ओडिशा में आरबीआई के ग्रीनफील्ड डाटा सेंटर का किया उद्घाटन

मोदी बोले, कांग्रेस की फोन बैंकिंग से बर्बाद हुआ देश का बैंकिंग सिस्टम

ओडिशा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 2014 से पहले कांग्रेस शासन में फोन बैंकिंग के जरिए पार्टी के करीबी लोगों को हजारों करोड़ रुपये के लोन दिए जाते थे, जिससे बैंक पर एनपीए का बोझ बढ़ा

● भुवनेश्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि 2014 से पहले फोन बैंकिंग के जरिए पार्टी के करीबी लोगों को हजारों करोड़ रुपये के लोन दिए जाते थे। इस व्यवस्था के कारण देश के बैंकिंग सिस्टम पर एनपीए का बोझ बढ़ गया था।

उन्होंने पुरानी व्यवस्था की तुलना आज की डिजिटल बैंकिंग से भी की। रविवार को पीएम मोदी ने भुवनेश्वर के पास जटनी में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए डाटा सेंटर और साइबर सिक्योरिटी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पहले गरीब परिवारों को बैंक खाता खुलवाने के लिए भी गारंटर की जरूरत पड़ती थी, जबकि प्रभावशाली लोगों को फोन के जरिए बड़े-बड़े लोन मिल जाते



थे। इसकी तुलना में आज डिजिटल बैंकिंग ने तस्वीर बदल दी है। प्रधानमंत्री के मुताबिक, अब लोग 24 घंटे बैंकिंग सेवाओं का फायदा उठा सकते हैं। छोटे कारोबारी, कारीगर और रेहड़ी-पटरी वाले भी बैंक से कर्ज लेकर अपना काम शुरू कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है, इसलिए बैंकिंग सिस्टम को साइबर अपराधियों और साइबर आतंकियों से सुरक्षित रखना भी जरूरी है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 2014 से पहले दिल्ली में कांग्रेस के करीबी लोगों को फोन बैंकिंग के जरिए हजारों करोड़ रुपये के लोन मिल जाते थे। दूसरी तरफ, आम लोगों को बैंकिंग सेवाओं तक पहुंचने में मुश्किल होती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी व्यवस्था के कारण बैंकों में एनपीए बढ़ा और बैंकिंग सिस्टम बर्बादी के कगार पर पहुंच गया।

देश में डिजिटल लेनदेन होगा अब और सुरक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ओडिशा के एक दिवसीय दौर के दौरान खुदी जिले के जटनी स्थित इन्फो वैली-द्वितीय में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड डाटा सेंटर का उद्घाटन किया। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का भी उद्घाटन किया गया। करीब 169 करोड़ रुपये की लागत से 18.55 एकड़ भूमि पर इस डाटा सेंटर का निर्माण किया गया है। नवी मुंबई के बाद यह आरबीआई का दूसरा डाटा सेंटर है। इसके शुरू होने से देश के डिजिटल वित्तीय ढांचे को मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस डाटा सेंटर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड्स ट्रांसफर (एनईफटी) और रियल टाइम ग्रांस सेटलमेंट (आरटीजीएस) जैसे डिजिटल भुगतान माध्यमों से होने वाले लेनदेन से संबंधित सूचनाओं को सुरक्षित रखा जाएगा। साइबर हमलों और तकनीकी गड़बड़ियों की स्थिति में भी बैंकिंग सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने में यह केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डाटा सेंटर में क्लाउड कंप्यूटिंग, एआई और बिग डाटा एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों पर विशेष जोर दिया जाएगा। वहीं, साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से देश की डिजिटल वित्तीय प्रणाली को साइबर खतरों से सुरक्षित रखने के लिए विशेषज्ञता और प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जाएगा।

पहले एक रुपये में से 15 पैसे पहुंचते थे

ओडिशा में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें कहा गया था कि दिल्ली से भेजे गए एक रुपये में से सिर्फ 15 पैसे जनता तक पहुंचते हैं। इसके उलट, उन्होंने दावा किया कि आज सरकारी योजनाओं का पूरा पैसा सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचता है। अब जिन लोगों के पास बैंक का गारंटी देने के लिए कुछ नहीं है, वे भी कर्ज लेकर अपना काम शुरू कर सकते हैं। छोटे कारोबारियों से लेकर पारंपरिक कारीगरों तक को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। पीएम मुताबिक, पिछला दशक उन लोगों तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने का था, जो अब तक इनसे दूर थे। आने वाले समय में इन सेवाओं को ज्यादा भरोसेमंद और बेहतर बनाने पर ध्यान दिया जाएगा। इस दौरान पीएम मोदी ने युद्ध के बदलते तरीकों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आज युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं लड़े जाते, बल्कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को निशाना बनाकर भी उसे कमजोर किया जा सकता है। ऐसे में भारत के बैंकिंग सिस्टम को साइबर अपराधियों और साइबर आतंकियों से सुरक्षित रखना जरूरी है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि विकास का फायदा गांवों और छोटे शहरों तक भी पहुंचना चाहिए। वहां रहने वाले लोगों को भी आगे बढ़ने के बराबर मौके मिलने चाहिए।

सभा में मोदी के पिता के जिक्र पर मचा भूचाल

पटना में मोदी को लेकर खड़गे के विवादित बोल, भड़की भाजपा

अमित शाह बोले- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सारी मर्यादाएं तार-तार कीं, अब कांग्रेस के पास सिर्फ गाली-गलौज की नीति बची

युवक ने जताया विरोध तो कांग्रेस वर्कर्स ने की पिटाई

● पटना



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के एक बयान को लेकर राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। राजधानी पटना में 25 अक्टूबर को आयोजित कांग्रेस के एक जनसभा कार्यक्रम के दौरान उस वक्त माहौल गरमा गया, जब उनके संबोधन के बीच मौजूद एक युवक ने पीएम मोदी को लेकर की जा रही टिप्पणी पर आपत्ति जताई।

युवक के हस्तक्षेप के बाद मंच से प्रतिक्रिया देते हुए खड़गे ने तीखी टिप्पणी की, जिसके बाद कार्यक्रम स्थल पर कुछ देर के लिए हंगामे जैसी स्थिति बन गई। बिहार के पटना में डॉ. श्री कृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पीएम मोदी के खिलाफ बोल रहे थे। इस दौरान वहां मौजूद एक व्यक्ति ने कहा

कि पीएम मोदी कहीं नहीं जाएंगे, जिस पर खड़गे ने जवाब दिया, मोदी का बाप भी जाएगा। मोदी की झूठ बोलने की आदत है। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता उस व्यक्ति को पीटते नजर आए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पटना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बाप भी जाएगा वाले विवादित बयान पर हंगामा खड़ा हो गया है। खड़गे को लेकर अमित शाह, नितिन नवीन समेत बीजेपी के कई दिग्गज खुलकर मैदान में आ गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ये तक दावा कर दिया है कि कांग्रेस के पास अब सिर्फ गाली-गलौज की राजनीति बची है।

शिकायत दर्ज, आज भाजपा का देशभर में प्रदर्शन

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता पर दिए बयान को लेकर घमासान मचा हुआ है। इस बयान को लेकर खड़गे के खिलाफ शिकायत दर्ज हो गई है। इसके साथ ही बीजेपी ने सोमवार दो देशभर में खड़गे के खिलाफ प्रदर्शन का भी ऐलान कर दिया है। वहीं, कांग्रेस के कई नेता इस मामले में सफाई देकर खड़गे का बचाव कर रहे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ बीजेपी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्ण सिंह कल्लू ने पटना के कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर भाजपा ने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वर्गीय पिता के बारे में पटना में कांग्रेस के नेशनल प्रेसिडेंट की अपमानजनक, अभद्र और आपत्तिजनक कमेंट के विरोध में भाजपा सोमवार को देश के सभी स्टेट हेडक्वार्टर पर जोरदार प्रदर्शन करेगी। वहीं भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष का पुतला फूंकने का ऐलान भी कर दिया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खादूश्याम जी में सुना मन की बात कार्यक्रम, कार्यकर्ताओं के साथ किया संवाद

मुख्यमंत्री ने कहा-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान को 4 महत्वपूर्ण जल समझौतों की मिली सौगात



राज्य सरकार ने बिजली उत्पादन बढ़ाया, युवाओं को दिया रोजगार

सीकर जिले के समग्र विकास के लिए लगभग 7 हजार करोड़ के विकास कार्यों को दी गति

शेखावाटी की 662 ऐतिहासिक हवेलियों को सहेज रही सरकार

हरियाणा चुनावों में कांग्रेस ने कहीं थी यमुना जल समझौता रद्द करने की बात, प्रदेश के कांग्रेस नेता भी थे इसमें शामिल

बाबा श्याम की कृपा से हंसियावास में बन रहा 800 करोड़ रुपये की लागत का रिजर्वॉयर

द अनकवर्ड अपडेट

सीकर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को सीकर के खादूश्यामजी में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 139वां एपिसोड सुना। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ संवाद में कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार मिलकर किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए काम कर रही है। राजस्थान फसलों, दलहन, तिलहन व फलों के उत्पादन में देश के अग्रणी



राज्यों में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के सशक्तिकरण के लिए हमारी सरकार प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना को बढ़ावा दे रही है। जिससे वोक्ल फॉर लोकल का संकल्प साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और किसानों को उनकी उपज की अच्छी कीमत भी मिलेगी। इसी प्रकार डेयरी क्षेत्र को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। दूध की प्रसंस्करण यूनिट्स की क्षमता को बढ़ाया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में जल की भरपूर उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। मध्यप्रदेश के साथ ईआरसीपी का समझौता हुआ, जिस पर तेजी से काम चल रहा है। शेखावाटी क्षेत्र के लिए हरियाणा राज्य के साथ यमुना जल समझौता किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा चुनाव में कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में इस समझौते को रद्द करने की बात कही और इसमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली शामिल थे। उन्होंने कहा कि खादूश्याम जी की कृपा से ही यमुना जल समझौते के तहत हंसियावास में 800 करोड़ रुपये की लागत से रिजर्वॉयर बन रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चार राज्यों के बीच में नर्मदा समझौता हुआ और इसी प्रकार शेखावाटी सहित अन्य क्षेत्रों के लिए किसानों परियोजना का समझौता भी सम्पन्न हुआ है। इन महत्वपूर्ण समझौतों से शेखावाटी क्षेत्र में पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सोम-कमला-अम्बा, देवास,



बाहाणी नदी परियोजना पर भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए हमारी सरकार ने 10 लाख सदस्य जोड़े हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बना है। हमारी सरकार ने ढाई साल में कांग्रेस सरकार के मुकाबले तीन गुना अधिक बिजली उत्पादन किया है, जिससे प्रदेश में पर्याप्त बिजली सप्लाई हो रही है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार कोटपूतली-किशनगढ़ और बीकानेर-कोटपूतली एक्सप्रेस-वे बना रही है। इनसे शेखावाटी सीधे नेशनल हाइवे से जुड़ जाएगा, जिससे व्यापार बढ़ेगा, किसानों को फायदा होगा और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी की पुरानी और ऐतिहासिक हवेलियां यहां के पर्यटन और विकास की बड़ी ताकत हैं। हमारी सरकार शेखावाटी की 662 हवेलियों को संभालने और

सहेजने का काम कर रही है। इसीलिए हेरिटेज टूरिज्म सर्किट बनाने के लिए 8 दिसम्बर को शेखावाटी में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रवासी राजस्थानी आएंगे। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों की मदद से कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान में 61 हजार से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि सीकर जिले के समग्र विकास के लिए लगभग 7 हजार करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के युवाओं को भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। हमारी सरकार ने अब तक 1.93 लाख पदों पर नियुक्तियां दी हैं और 1.18 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन हैं। इन भर्तियों में शेखावाटी क्षेत्र के युवाओं ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय पेपरलीक



होते थे, जबकि हमारी सरकार में 410 परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शिता से बिना पेपरलीक के सम्पन्न कराई गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान राष्ट्रीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में देश में अग्रणी है। प्रदेश 12 राष्ट्रीय योजनाओं में पहले, 10 योजनाओं में दूसरे तथा 8 योजनाओं में तीसरे स्थान पर रहा है। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में आमजन ने समर्थन देकर डबल इंजन सरकार के साथ तीसरा इंजन जोड़ा है। इसी प्रकार पंचायत चुनावों में भी जनता विकास कार्यों को गति देने के लिए तीसरा इंजन जोड़ेगी। उन्होंने हमारी सरकार ने वन स्टेट-वन इलेक्शन कराने का जो वादा किया था, वह आज पूरा हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खादूश्याम जी के विकास के लिए राज्य सरकार रोडमैप बनाकर काम कर रही है। संवाद कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने

खादूश्यामजी में श्याम बाबा के मंदिर में पूजा-अर्चना कर दर्शन किए और प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की। इस दौरान मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री का अभिनन्दन किया। संवाद कार्यक्रम में राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी, सीकर जिला अध्यक्ष मनोज बाटड़, विधायक गोरधन वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक, संभागा सहप्रभारी मोती लाल मीणा, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, जिला प्रभारी संगठन वासुदेव चावला, जिला प्रभारी पंचायत चुनाव पुनीत कर्नावट, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हरिराम पिणवा, रतन जलधारी, श्रवण चौधरी, महेंद्र चंदवा, गजानंद कुमावत सहित पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राज्यपाल बागडे ने राजस्थानी फिल्म ‘माँ’ के प्रदर्शन का शुभारंभ किया



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को जयपुर स्थित राजमंदिर सिनेमा हॉल में राजस्थानी फिल्म ‘माँ’ के प्रदर्शन का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने राजस्थानी में निर्मित इस फिल्म के ग्रैंड रिलीज को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राजस्थानी भाषा नहीं संस्कृति है। राज्यपाल बागडे ने फिल्म के कुछ अंश भी हॉल में बैठकर देखे। बाद में उन्होंने फिल्म निर्माता और कलाकारों से भी संवाद कर इस पहल की सराहना की।

केसी वेणुगोपाल बोले-मोदी के सामने सरेंडर नहीं करेंगे

1 नवंबर को दिल्ली में होने वाली रैली में राजस्थान को 1 लाख की भीड़ का टारगेट



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा-पाटी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने सरेंडर नहीं करेंगी। नरेंद्र मोदी और अमित शाह सीईसी ज्ञानेश कुमार को बचाने की जितनी भी कोशिश कर लें देश का नागरिक ऐसा नहीं होने देगा।

केसी वेणुगोपाल ने यह बात रविवार को जयपुर के कांस्टीट्यूशन क्लब में प्रदेश कांग्रेस के नेताओं की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कही। उन्होंने 1 नवंबर को दिल्ली में होने वाली कांग्रेस की ‘वोट बचाओ देश बचाओ’ महारैली में राजस्थान के नेताओं को 1 लाख की भीड़ जुटाने का टारगेट दिया। वहीं, रैली से व्यापारियों को होने वाली परेशानी के सवाल पर उन्होंने कहा कि ज्यादा लोग आयेगे तो शॉपिंग भी ज्यादा करेगे।

ज्ञानेश कुमार के हटने तक विरोध जारी रहेगा

केसी वेणुगोपाल ने कहा-हमारा विरोध तब तक जारी रहेगा, जब तक ज्ञानेश कुमार पद से नहीं हट जाते हैं और देश में फ्री एंड फेयर इलेक्शन नहीं होते हैं। यह देश के लोगों का मौलिक अधिकार है। व्यापारियों की ओर से राहुल गांधी को लिखे गए पत्र के सवाल पर उन्होंने कहा -रैली से व्यापारियों को फायदा होगा। ज्यादा लोग आयेगे तो ज्यादा शॉपिंग करेंगे।

मोदी की विदेश यात्राओं के बारे में सोचे माजपा

राहुल गांधी के विदेश दौरों को लेकर बीजेपी के सवाल पर वेणुगोपाल ने कहा- भाजपा को पहले नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं के बारे में सोचना चाहिए, राहुल गांधी की विदेश यात्रा के बारे में नहीं। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटसरा, प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित कांग्रेस के अन्य नेता मौजूद रहे।

पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण में जयपुर जिले की आठ पंचायत समितियों की 212 ग्राम पंचायतों में सरपंच निर्वाचित

दूद, सांभरलेक, जोबनेर, किशनगढ़ रेनवाल, मौजमाबाद, गोविंदगढ़ एवं झोटवाड़ा की ग्राम पंचायतों में निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण के तहत जयपुर जिले की आठ पंचायत समितियों की 212 ग्राम पंचायतों में सरपंच पदों के लिए 24 अक्टूबर को हुए मतदान के बाद निर्वाचन की प्रक्रिया सम्पन्न हो गई है। निर्वाचित सरपंचों के नामों की सूची के बारे में बताते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने ने बताया कि पंचायत समिति चौमू में अमरपुरा से गीता देवी, अनन्तपुरा (जै.) से वासुदेव पंचोली, बड़कोलाई-भोजलावा से रमेश, बरवाड़ा से बनवारी राईका, भोपावास से बादामी योगी, बिशनपुरा चारणवास से बिमला, चौथावाड़ी से बिमला देवी, दौलतपुरा से संतरा देवी, देवपुरा से कविता कंवर, डोला का बास से किरण कुमारी मीना, फतेहपुर से सज्या देवी, गौरी का बास से रामस्वरूप, घिनई से भगवती देवी, हाड़ौता से वन्दना देवी, हाथनोदा से राजू जाट, ईटावा भोपजी से अजय चौधरी, जयसिंहपुरा से मुरलीधर यादव, जैतपुरा से सुमित्रा देवी गुलिया, जालिम सिंह का बास से विजयपाल यादव, जाटावाली से बंशीधर मीणा, कानपुरा से फूल चन्द, कुशलपुरा से लक्ष्मी देवी, लोहरवाड़ा से लाडा देवी, महार कलां से योगेश, मण्डा भिण्डा से कृष्ण कान्त, मोरीजा से सीता देवी, नांगल से भगपाल, नुसिंहपुरा से उर्मिला देवी, निवाणा से गिरधारी, सामोद से रामकिशोर रैगर, टांकरड़ा से योगेश कुमार, उदयपुरिया से बीना देवी, विजयसिंहपुरा से शंकरलाल तथा विमलपुरा से उर्मिला देवी निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति दूद में बिंगोलाव से मेधा, चरासड़ा से ललित देवी, दांती से संतोष देवी, धांधोली से अमरचन्द जोगिड़, गारगड़ से धर्मराज खटीक, गहलोता से राम राज सेवदा, गैजी से कंवरी देवी,

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की किसानों को दीपावली से पहले बड़ी सौगात

अजमेर डिस्कॉम के सभी जिलों में किसानों को अब दिन में मिलेगी बिजली

नागौर के बिरलोका में 220 केवी जीएसएस सफलतापूर्वक शुरू

किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने का संकल्प हो रहा साकार

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली से पहले किसानों को बड़ी सौगात दी है। नागौर जिले के बिरलोका में 220 केवी ग्रिड सब-स्टेशन (जीएसएस) सफलतापूर्वक प्रारंभ हो गया है। इससे अजमेर विद्युत वितरण निगम (डिस्कॉम) के सभी 14 जिलों में किसानों को दिन के समय दो ब्लॉक में बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। इस व्यवस्था से क्षेत्र के किसानों को रात में सिंचाई कार्य से राहत मिलेगी तथा कृषि कार्य अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक हो सकेगा।

खीवसर सहित अन्य क्षेत्रों को मिलेगा लाभ

उल्लेखनीय है कि अब तक अजमेर डिस्कॉम के 14 में से 13 जिलों में किसानों को दिन में दो



ब्लॉक में बिजली आपूर्ति की व्यवस्था लागू थी। बिरलोका जीएसएस के शुरू होने से शेष जिले में भी इस व्यवस्था का विस्तार होगा। इस परियोजना से बिरलोका, नारवा, हिसावा, पांचला सिद्धा, खींवसर, पांचोड़ी सहित आसपास के क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। विशेष रूप से संपूर्ण खींवसर तहसील में किसानों को दिन के समय दो ब्लॉक में बिजली

उपलब्ध कराने की व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

विद्युत छीजत में कमी आएगी, आपूर्ति की गुणवत्ता में होगा सुधार

लगभग 170 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस जीएसएस में 160 एमवीए क्षमता का 220/132 केवी पावर ट्रांसफॉर्मर स्थापित किया गया है। अत्याधुनिक स्काडा प्रणाली के उपयोग से पश्चिमी राजस्थान में उत्पादित सौर ऊर्जा का नागौर जिले में बेहतर उपयोग संभव होगा। इसके साथ ही विद्युत छीजत में कमी आएगी तथा वोल्टेज स्तर, बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में सुधार होगा।

अब तक प्रदेश के 26 जिलों में किसानों को मिल रही बिजली

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कृषक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वर्ष 2027 तक प्रदेश के किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति की बजट घोषणा की और इस दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य करते हुए अब तक प्रदेश के 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है।

‘विंग्स ओवर गेंजेस का वाराणसी के नमो घाट से जलमहल की पाल पर हुआ सीधा प्रसारण

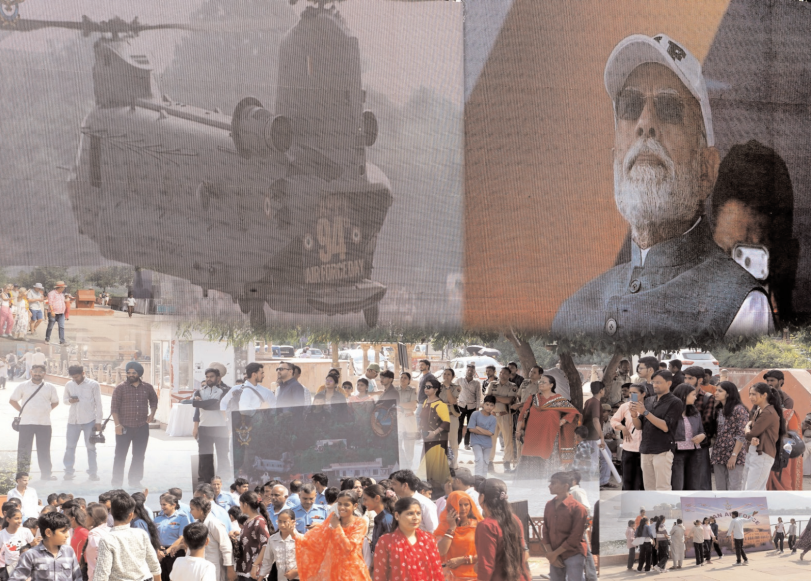
आमजन ने देखा भारतीय वायुसेना के लड़ाकू, परिवहन एवं हेलीकॉप्टर का हवाई प्रदर्शन

पब्लिसिटी स्टॉल से बच्चों और युवाओं ने प्राप्त की वायुसेना की कार्यप्रणाली एवं करियर अवसरों की जानकारी

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। भारतीय वायुसेना के 94 वे स्थापना दिवस पर ‘भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य गणमान्य अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में 100 से अधिक एयरक्राफ्ट्स जिसमें राफेल,तेजस सुखोई 30 एमकेआई, सी 130 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, सूर्य किरण एरोबैटिक टीम ने वाराणसी को प्रदर्शित करना तथा राष्ट्र की सुरक्षा में उसकी भूमिका के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना था।

एयर फोर्स स्टेशन जयपुर के कमांडर ने बताया कि सिविल प्रशासन एवं एयर फोर्स स्टेशन जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय वायुसेना की क्षमताओं को प्रदर्शित करना तथा राष्ट्र की सुरक्षा में उसकी भूमिका के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना था। इसके माध्यम से उपस्थित लोगों को भारतीय वायुसेना की सटीकता, पेशेवर दक्षता एवं परिचालन उत्कृष्टता को देखने का अवसर मिला। कार्यक्रम में आमजन, विशेषकर युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन ने देशप्रेमिता की भावना को प्रोत्साहित करने तथा भारतीय वायुसेना के कार्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के तहत युवाओं को भारतीय वायुसेना में



करियर बनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से स्थल पर वायुसेना की पब्लिसिटी स्टॉल भी स्थापित की गई। युवाओं ने स्टॉल पर पहुंचकर भारतीय वायुसेना में भर्ती की पात्रता, प्रवेश एवं करियर के अवसरों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को वायुसेना में भविष्य तलाशने के लिए प्रेरित करने हेतु पोस्टर, ड्राइंग बुक एवं पेम्फलेट सहित प्रचार सामग्री का वितरण भी किया गया।

यह आयोजन सफल रहा तथा इसने सिविल



प्रशासन और वायुसेना के बीच प्रभावी समन्वय एवं जनसहभागिता को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम ने आगंतुकों को यादगार अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ युवाओं को भारतीय वायुसेना की गौरवशाली सेवा परंपरा और राष्ट्र के प्रति उसके योगदान के बारे में जानने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर उत्तर राजेंद्र सिंह सहित एयरफोर्स के कार्मिक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नरेश मीणा के खिलाफ अधिकारियों को धमकाने का मामला दर्ज

बोले- मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के दबाव में एफआईआर हुई, मुझे फिर जेल भेजना चाहते हैं

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। किसान नेता नरेश मीणा के खिलाफ बारां जिले के छबड़ा थाने में अधिकारियों को धमकाने समेत 8 धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। मामले को लेकर कृषि उपनिदेशक ने कलेक्टर को शिकायत भेजी थी। नरेश मीणा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के दबाव में कृषि विभाग के अधिकारियों ने यह केस दर्ज कराया है। उन्होंने कहा- पंचायत चुनाव के बीच सरकार हमें जेल भेजना चाहती है, लेकिन जेल जाने के बाद भी जनता मेरा साथ देगी और ‘हाथी’ चुनाव चिह्न पर वोट देकर पंचायतराज चुनाव में मेरा बोर्ड बनाएगी।

अब तक सरकार 40 से अधिक मुकदमे दर्ज करा चुकी

नरेश मीणा ने कहा- यह मुकदमा पहली बार दर्ज नहीं हुआ है। अब तक सरकार मेरे ऊपर 40 से अधिक मुकदमे दर्ज करा चुकी है। कई बार जेल भी भेजा जा चुका हूं। जब भी मैं जनता की आवाज उठाता हूं, जनता के लिए लड़ता हूं, तब मेरे खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए जाते हैं। दबाव बनाया जाता है कि मैं जनता की आवाज न बनूं। उन्होंने कहा- पिछले दिनों मुझे बिना कारण 45 दिन जेल में रखा गया, केवल इसलिए कि मैंने पिपलोदी में मरने वाले बच्चों की मदद की और उनके लिए आंदोलन किया।

अधिकारियों ने कृषि मंत्री के दबाव में दर्ज कराया मामला

नरेश मीणा ने कहा- किसानों को खाद दिलाने के लिए आंदोलन किया, तब भी यही हुआ। बड़े लोगों को खाद मिल रहा था, गरीबों को नहीं मिल रहा था। गर्भवती महिलाएं और छोटे-छोटे बच्चे 14-14 घंटे खाद की लाइन में लग रहे थे। यह मैं सहन नहीं कर पाया। इस पर मैंने एसडीएम कार्यालय का घेराव



किया और अधिकारियों को उनके दायित्व निर्वहन के लिए चेतावनी दी।

नरेश मीणा ने आरोप लगाया कि यह मुकदमा पुलिस द्वारा नहीं, बल्कि कृषि विभाग द्वारा दर्ज कराया गया है। इससे यह तय है कि यह मुकदमा मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के दबाव में दर्ज कराया गया है, जिसमें कई ऐसी धाराएं हैं जिनमें 7 साल तक की सजा है।

तुम मुझे जेल में डाल सकते हो, मेरी सोच को नहीं

उन्होंने कहा- जब-जब जुल्मी जुल्म करेगा सत्ता के गलियारों से, चप्पा-चप्पा गुंज उठेगा इंकलाब के नारों से... मैं डरने वाला नहीं हूं। तुम नरेश मीणा को सलाखों के पीछे डाल सकते हो, लेकिन अब नरेश मीणा एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं, एक विचार हैं। आज हाड़ोती के घर-घर में नरेश मीणा खड़े हो गए हैं। तुम मुझे जितनी बार जेल में डालोगे, उतना ही

हर किसान का बेटा नरेश मीणा बनकर ढाल बनेगा और तुम्हारे नकाब को बेनकाब करेगा।

उन्होंने भरोसा जताया कि अगर उन्हें जेल भेजा भी गया, तो भी हर घर से नरेश मीणा सड़क बनकेलेगा और इस चुनावी दंगल को आंदोलन बनाएगा। हाथी को बहुमत के रूप में जिला प्रमुख और प्रधानों के रूप में 12 जिलों का बोर्ड बनेगा। दरअसल, छबड़ा में 22 अक्टूबर को खाद नहीं मिलने से परेशान किसानों ने हाड़ोली जाम कर दिया था। सूचना पर नरेश मीणा मौके पर पहुंचे और किसानों के साथ खेल मैदान में आए और पेड़ पर चढ़कर सभी को संबोधित किया था। हजारों किसानों के साथ हाथ में लाठी लेकर एसडीएम ऑफिस के बाहर धरने पर बैठ गए थे। छबड़ा एसडीएम सपना कुमारी ने मौके पर पहुंचकर नरेश मीणा और किसानों से बातचीत की थी। इसके बाद प्रशासन ने पुलिस की निगरानी में डीएपी के टोकन वितरण की व्यवस्था शुरू करवाई थी।

40 देशों की सुपरमॉडल्स ने देखा जयपुर का शाही वैभव

आज मिस-मिसेज सुपर मॉडल प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले में होंगी शामिल



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर में रविवार को अंतरराष्ट्रीय फैशन एवं ब्यूटी प्रतियोगिता ‘मिस एवं मिसेज सुपर मॉडल वर्ल्डवाइड-2026’ का ग्रैंड फिनाले का आयोजन होगा। इसमें शामिल होने के लिए 40 देशों की सुपर मॉडल्स जयपुर आई हैं। प्रतियोगिता के आयोजन से पहले विदेशों से आई मॉडल्स ने जयपुर की ऐतिहासिक विरासत, राजस्थानी परंपराओं और पारंपरिक आभूषण कला को करीब से जाना। कोई अल्ट्राट हॉल की ऐतिहासिक भव्यता को निहारती नजर आई, तो किसी ने भारतीय आभूषणों की बारीक कारीगरी और एंटीक ज्वेलरी के आकर्षक डिजाइनों में दिलचस्पी दिखाई। आज सभी मॉडल्स मिस-मिसेज सुपर मॉडल प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। इसका आयोजन आगरा रोड स्थित एस्थेरिया बेरीज रिसॉर्ट एंड स्पा में होगा। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर विभिन्न देशों से आई प्रतिभागियां अपने व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, फैशन सेंस और रचनात्मकता का प्रदर्शन करेंगी।

‘बारात ऑन व्हील्स’ पर थिरकी सुपर मॉडल्स

विदेशों से आई प्रतिभागियों के स्वागत को भी खास अंदाज दिया गया। कार्यक्रम आयोजक डॉ. अजय शर्मा ने सभी सुपर मॉडल्स का स्वागत और अभिनंदन किया। इस दौरान ‘बारात ऑन व्हील्स’ की अनूठी थीम ने आयोजन में उत्सव का रंग भर दिया। संगीत की धुनों पर सुपर मॉडल्स ने डांस किया और पूरे माहौल को जीवंत बना दिया।

रैंप पर दिखेगा देशों की संस्कृति और आधुनिक फैशन का मेल

‘मिस एवं मिसेज सुपर मॉडल वर्ल्डवाइड-2026’ की खासियत यह है कि प्रतियोगिता में मॉडल्स केवल रैंप वॉक तक सीमित नहीं रहेंगी। विभिन्न राउंड्स में वे अपने-अपने देशों की संस्कृति से प्रेरित परिधान और स्वयं तैयार किए गए कलेक्शन भी प्रस्तुत करेंगी। इससे अंतरराष्ट्रीय फैशन मंच पर अलग-अलग देशों की सांस्कृतिक पहचान, पारंपरिक पहनावे और आधुनिक डिजाइन की झलक देखने को मिलेगी। आयोजन में ‘मिस’ और ‘मिसेज’ दोनों श्रेणियों को शामिल किया गया है। यह आयोजन प्रियंका नितिन दुबे, डॉ. अजय शर्मा के नेतृत्व में हो रहा है।

मतदान दलों के कार्मिक अगले दिन भी माने जाएंगे चुनाव ड्यूटी पर

मतदान सामग्री जमा कराने में देर रात तक लगने वाले समय को देखते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने जारी किए आदेश

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत मतदान दलों में नियुक्त कार्मिकों को मतदान समाप्ति के बाद मतदान सामग्री संग्रहण स्थल पर जमा कराने में देर रात तक लगने वाले समय को देखते हुए अगले दिन भी चुनाव ड्यूटी पर माना जाएगा। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने आदेश जारी किए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान पूर्ण होने के पश्चात मतदान दलों के कार्मिकों को मतदान सामग्री संग्रहण स्थल पर जमा करानी होती है, जिसमें देर रात तक समय लग सकता है। ऐसे में संबंधित कार्मिकों को अगले दिन चुनाव ड्यूटी पर माना जाएगा तथा उन्हें उस दिन अपने संबंधित विभाग में उपस्थिति दर्ज कराने की आवश्यकता नहीं होगी।

उन्होंने बताया कि इस दिवस के लिए पंचायत कार्मिकों को कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

पानी बचाना अब सबसे बड़ी जिम्मेदारी

पूरन चंद सरीन

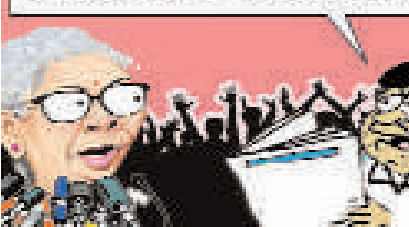
बारिश की अनिश्चितता, भूजल का अधाधुंध दोहन और जलस्रोतों पर अतिक्रमण ने पानी के संकट को गंभीर बना दिया है। सवाल केवल पानी की उपलब्धता का नहीं, बल्कि उसे बचाने और न्यायपूर्ण ढंग से इस्तेमाल करने की जिम्मेदारी का भी है। नीति आयोग ने 2018 में अनुमान लगाया था कि 2030 तक भारत में पानी की जितनी खपत होगी, वह तब उपलब्ध पानी से दोगुनी होगी। यह उस समय का पूर्वानुमान था, आज की स्थिति का माप नहीं लेकिन चिंता अभी से करनी होगी क्योंकि जल संरक्षण की जरूरत को समझने के लिए यह पर्याप्त चेतावनी है। पानी की एक-एक बूंद बचाने की अपील की जाती है तो यह सवाल उठना ही चाहिए कि पानी बर्बाद करने की कीमत आखिर कौन चुकाता है और उसकी वसूली किससे होती है? विकास



के नाम पर कहीं तालाब पाटकर इमारतें खड़ी कर दी जाती हैं, कहीं बरसाती नालों के रास्ते पर बस्तियां बस जाती हैं और कहीं जमीन में पानी पहुंचाने वाली खुली जगहों पर कंक्रीट बिछा दिया जाता है। फिर बारिश में शहर डूबते हैं और गर्मी में पानी की किल्लत। ऐसे विकास की कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी, यह स्पष्ट है। जल आंदोलन की शुरुआत अपने घर से : एक टैलीविजन कार्यक्रम में एक प्रसिद्ध अभिनेता ने मजाक में बताया कि उनकी पत्नी तब तक नहाती रहती है, जब तक सोसाइटी के दूसरे निवासियों के घरों में पानी आना बंद न हो जाए और वे शिकायत करने न पहुंच जाएं। बात हंसी-मजाक में कही गई होगी लेकिन इसके पीछे छिपी मानसिकता पर विचार जरूरी है। घंटों शॉवर के नीचे बैठे रहना, गाड़ियों को लगातार बहते पानी से धोना, हाथ धोते समय नल खुला छोड़ना और टंकी भरने के बाद भी पानी बहने देना, ये ऐसी आदतें हैं, जिन्हें हमने सामान्य मान लिया है। दलील दी जाती है कि पानी का बिल भरते हैं, जितना चाहे इस्तेमाल करें। सरकारी आपूर्ति कम हो तो मोटर लगाकर भूजल निकाल लेते हैं। सार्वजनिक नलों से पानी बहता रहता है और पाइपलाइन रिसती रहती हैं दूसरी ओर लाखों घरों की महिलाएं सुबह उठकर सोचती हैं कि आज नल से पानी आएगा या टैंकर के भरसे रहना पड़ेगा। किसान आसमान की ओर देखकर फसल का भविष्य तलाशता है और शहर का परिवार पीने का साफ पानी खरीदने को मजबूर है। किसी के लिए पानी सुविधा है, तो किसी के लिए रोज का संघर्ष। संकट बढ़ने पर पानी बेचने वालों की चांदी है। जीवन की बुनियादी सुविधा मुनाफे का साधन है। प्रश्न उठता है कि जल संरक्षण केवल व्यक्तिगत सदाचार है या सामाजिक न्याय और क्या किसी को भी यह अधिकार है कि वह जल बर्बाद करे, जबकि इसकी एक बूंद जीवन बचा सकती है?

आज का कार्टून

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने निर्मला सीतारमण के पति तुम कितने कॉकरोच मारोगे हर घर से कॉकरोच निकलेगा!!



जानलेवा होती हवा: सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती

ललित गर्ग

सर्दियों ने अभी पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है कि देश के अनेक शहरों की हवा में प्रदूषण का जहर घुलने लगा है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोड़ धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विंडबना यह है कि समस्या के कारणों को पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा करने वाले मूल कारण मुख्यतः मानवीय गतिविधियों और उनके अपर्याप्त नियमन से जुड़े हैं।

दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अतः समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही

और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है।

यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों की खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने



को विवश हों और श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे स्वच्छ हवा की सार्वजनिक व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिसपॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू करना आवश्यक है। इसके अंतर्गत प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों और उद्योगों पर नियंत्रण तथा अन्य आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इन उपायों की सफलता केवल आदेश जारी करने से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी से सुनिश्चित होती है। यदि प्रतिबंधों का उल्लंघन होता रहे, निर्माण स्थलों पर धूल उड़ती रहे और कचरा खुले में जलता रहे, तो सरकारी घोषणाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकतीं।

सरकार को प्रदूषण के चरम पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने के बजाय सितंबर-अक्टूबर से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। प्रदूषण के स्रोतों की पहचान, औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण, सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करना दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या का समाधान किसानों पर जर्माना लगाने भर से नहीं होगा। उन्हें फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए सस्ती मशीनें, तकनीकी सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। किसानों को समस्या का भागीदार नहीं, समाधान का सहयोगी बनाना होगा।

प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। नागरिकों को निजी वाहनों का अनावश्यक उपयोग कम करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने, कचरा और पतियां न जलाने तथा ऊर्जा की बचत करने जैसे कदम उठाने होंगे। पर्यावरण संबंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना और स्थानीय स्तर पर स्वच्छता एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने के प्रयासों में भाग लेना भी आवश्यक है। मीडिया, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों को जनजागरूकता अभियान चलाने चाहिए, ताकि स्वच्छ हवा का महत्व केवल प्रदूषण के चरम पर ही याद न आए। साथ ही, वायु गुणवत्ता के आंकड़े पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक किए जाएं और नागरिकों को प्रदूषण के स्तर के अनुरूप स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी जाए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकारें, उद्योग, किसान और नागरिक अपनी-अपनी जिम्मेदारियों से पीछे न हटें। चीन के बीजिंग जैसे शहरों में प्रदूषण घटाने के अनुभव यह बताते हैं कि निरंतर नीतिगत प्रयास, स्वच्छ परिवहन, औद्योगिक नियंत्रण और प्रभावी निगरानी से उल्लेखनीय सुधार संभव है। भारत को भी अपनी परिस्थितियों के अनुरूप ऐसे उपायों को दृढ़ता से लागू करना होगा। हर साल सर्दियों में प्रदूषण से जूझना और फिर मौसम बदलने पर समस्या को भूल जाना किसी भी सवेदनशील समाज की नीयति नहीं हो सकती। स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं, जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। यदि आज ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए प्रदूषण का मुकाबला संकट गहराने के बाद नहीं, उससे पहले करना होगा। सरकार की सक्रियता, प्रशासन की जवाबदेही और जनता की जागरूकता ही वह त्रिकोण है, जिसके आधार पर हम दमघोड़ हवा से मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।



हिन्दी समाचार पत्र

RJHIN/25/A4779

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर से प्रकाशित

सच जो छुपा था, अब सामने है।



The Uncovered Update PODCAST

ON AIR

क्या आपके पास ऐसी कोई खबर है जो अब तक सामने नहीं आई?

क्या आपके पास भ्रष्टाचार, घोटाले, सत्ता के दुरुपयोग या जनहित से जुड़े किसी गंभीर मामले के पुख्ता तथ्य हैं?

क्या आपके पास ऐसा सच है जिसे दबाने की कोशिश की जा रही है?

तो अब आपकी आवाज़ बनेगा – The Uncovered Update Podcast

हम आपको देंगे एक ऐसा मंच, जहाँ आपकी बात बेबाकी और जिम्मेदारी के साथ देश तक पहुंचेगी। यदि आपके पास दस्तावेज, सबूत या ऐसी जानकारी है जो जनहित में उजागर होना जरूरी है, तो आप हमारे पॉडकास्ट में आकर अपनी बात रख सकते हैं।

The Uncovered Update Podcast में होंगे:

- भ्रष्टाचार और घोटालों का खुलासा
- इन्वेस्टिगेटिव स्टोरीज़
- व्हिसलब्लोअर्स की सच्ची कहानियाँ
- सामाजिक और प्रशासनिक मुद्दों पर खुली चर्चा
- एक्सक्लूसिव इंटरव्यू और जमीनी रिपोर्ट

हमसे संपर्क करें

02269621949
8946840063
8209508208

editor.theuncoveredupdate@gmail.com

अगर आपके पास भी ऐसा कोई सच है जो अभी तक सामने नहीं आया है, तो हमसे संपर्क करें!

आपकी पहचान और आपके द्वारा साझा की गई जानकारी का सम्मान और गोपनीयता हमारी प्राथमिकता होगी।



क्योंकि...

“सच जो छुपा था, अब सामने है!”

तेज, सटीक और निष्पक्ष खबरें

आपकी आवाज़, हमारी पहचान

एक मजबूत मीडिया, एक सशक्त समाज

हर खबर पर हमारी नजर

The Uncovered Update Podcast – हर सच को मिलेगी आवाज़।

देखिये TNI आवाज़

पर हमारे खास कार्यक्रम

रमाकान्त गोस्वामी के साथ...

TNI मुलाकात

देश की जानी-मानी हस्तियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और समाज के प्रेरणादायक व्यक्तित्वों से खास बातचीत।

उम्मीद की एक नई रोशनी

संघर्ष, सफलता और प्रेरणा की ऐसी कहानियाँ जो बदल रही हैं समाज की सोच।

THE UNCOVERED UPDATE

हर उस खबर की पड़ताल, जो सुखियों के पीछे छिपी सच्चाई को सामने लाती है।

राजस्थान की राजनीति



राजस्थान की राजनीति, सत्ता, विपक्ष, चुनाव और बड़े राजनीतिक घटनाक्रम का सटीक विश्लेषण और एक्सक्लूसिव कवरेज।

रमाकान्त गोस्वामी
संस्थापक एवं प्रधान संपादक
TNI आवाज़

खबरों से आगे, सच्चाई के साथ

अब उपलब्ध
16+ प्रमुख OTT
प्लेटफॉर्म पर

JioTV

Jio Fiber

TATA PLAY

VI movies

MXPLAYER

dailyhunt

paytm LIVE TV

shemaro TV

DTH LIVE TV

और भी कई प्लेटफॉर्म पर

www.tniawaaz.com

f

y

i

t

/tniawaaz

DOWNLOAD NOW

TNI AWAAZ APP



जिन्दगी के हर छोटे-बड़े पल किसी खास के साथ बांटना चाहते हैं करण जोहर

बॉलीवुड के महशूर फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जोहर अपनी पेशेवर सफलता के लिए तो हमेशा चर्चा में रहते ही हैं, लेकिन इस बार वह अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी एक भावुक और दिल छू लेने वाली बात को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म जगत में लंबे समय से सक्रिय करण जोहर ने स्वीकार किया है कि वह अपनी जिंदगी में एक ऐसे हमसफर की तलाश कर रहे हैं, जिसके साथ वह अपने रोजमर्रा के अनुभव, खुशियां और खास पल साझा कर सकें। उन्होंने यह खुलकर बातचीत अपने प्रसिद्ध चैट शो कॉफी विद करण के नौवें सीजन के एक विशेष एपिसोड में तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा के साथ की। बातचीत के दौरान जब विजय देवरकोंडा ने अदाकारा रश्मिका मंदाना के साथ अपने मजबूत रिश्ते का जिक्र किया और कहा कि वह उनका हाथ हमेशा थामे रखना चाहते हैं क्योंकि उनके साथ रश्मिका सुरक्षित महसूस करती हैं, तब बातचीत का रुख करण की निजी जिंदगी की ओर मुड़ गया। विजय ने जब करण से उनकी जिंदगी की अधूरी इच्छाओं के बारे में पूछा, तो फिल्मकार थोड़े भावुक हो गए। करण ने बेहद ईमानदारी से अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि भले ही तकनीकी या कानूनी कारणों से शादी करना उनके लिए शागुद संभव न हो, लेकिन वह एक सच्चे और समर्पित रिश्ते की गर्माहट को अपनी जिंदगी में महसूस करना चाहते हैं। करण जोहर, जो कि सेरोगेसी के जरिए जुड़वा बच्चों यश और रुही के सिंगल फादर हैं, ने बताया कि वह चाहते हैं कि उनका आने वाला पार्टनर न केवल उनकी खुशियों में शरीक हो, बल्कि उनके बच्चों के लालन-पालन में भी बराबर का योगदान दे। उन्होंने कहा कि उनके लिए किसी रिश्ते का असली अर्थ केवल खास अवसरों को मनाना नहीं, बल्कि हर दिन की छोटी-छोटी बातों को एक-दूसरे से बांटना और एक-दूसरे का संबल बनना है। वह अपनी जिंदगी में एक ऐसा इंसान चाहते हैं जिसे वह गर्व से अपना कह सकें और जिससे उन्हें सच्चा सम्मान और प्यार मिले। करण की इस दिल से निकली बात को सुनकर विजय देवरकोंडा भी काफी प्रभावित नजर आए। माहौल को थोड़ा हल्का और सकारात्मक बनाते हुए विजय ने मजाकिया लेकिन आत्मीय अंदाज में सभी देवी-देवताओं और शो के मंच से करण की इस इच्छा के पूरे होने की दुआ मांगी। विजय की इस प्रार्थना पर करण जोहर भावुक दिखे और उन्होंने माना कि यह दुआ वाकई दिल की गहराइयों से निकली थी। इस पूरी बातचीत ने यह साफ कर दिया कि अपार सफलता और शोहरत के बावजूद हर इंसान को अपनी जिंदगी में सच्चे साथ और आत्मीयता की जरूरत होती है।

बिपाशा के लिए खास कार्ड बनाया बेटी ने

अभिनेत्री बिपाशा बसु इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज बाराबंकी की शूटिंग में व्यस्त चल रही हैं। इस बीच, उनके पति और अभिनेता करण सिंह ग़ोवर ने अपनी बेटी देवी का अपनी मां के प्रति प्यार दिखाते हुए एक मार्मिक पोस्ट साझा की। दरअसल, बिपाशा बसु की गैर-मौजूदगी में उनकी बेटी देवी ने अभिनेत्री के लिए एक खास कार्ड बनाया है। इस कार्ड को करण सिंह ग़ोवर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया, जिसमें देवी ने लिखा, आई लव यू मम्मा। कार्ड में बेटी ने आगे अपनी मां को सोलैमंट बताते हुए हमेशा उनके साथ रहने की बात लिखी है। करण सिंह ग़ोवर ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, जब हम सुबह उठते हैं और तुम यहां नहीं होती, तब भी तुम हमें मुस्कुराने की वजह देती हो और खुशियों से भर देती हो। हम तुमसे बहुत प्यार करते हैं, बिपाशा बसु।



प्राजक्ता कोली ने शेयर किया अपनी सफलता और आत्मविश्वास का राज

डिजिटल क्रिएटर से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया

इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया में मोस्टली सेने के नाम से अपनी खास पहचान बनाने के बाद बॉलीवुड फिल्मों में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाने वाली प्राजक्ता कोली आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हाल ही में उन्होंने नेहा धूपिया और अंगद बेदी के लोकप्रिय टॉक शो डबल डेट में शिरकत की, जहां उन्होंने डिजिटल कंटेंट निर्माण से लेकर मुख्यधारा की फिल्मों तक के अपने शानदार सफर के बारे में विस्तार से बातचीत की। प्राजक्ता ने बताया कि कैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनके करोड़ों दर्शकों के प्यार ने उन्हें अभिनय की बड़ी दुनिया में आत्मविश्वास के साथ कदम रखने को ताकत दी। बातचीत के दौरान प्राजक्ता ने बेहद विनम्रता के साथ कहा कि जब वह किसी बड़ी फिल्म के सेट पर दिग्गज और स्थापित कलाकारों के साथ काम करने जाती हैं, तो उनके मन में यह डर नहीं रहता कि सह-कलाकार उन्हें स्वीकार करेंगे या नहीं। इसके बजाय, उनका पूरा ध्यान इस बात पर केंद्रित रहता है कि जो दर्शक अपना कीमती समय और पैसा खर्च करके सिनेमाघरों में फिल्म का टिकट खरीदते हैं, वे उनके अभिनय से संतुष्ट

हों। उन्होंने माना कि सोशल मीडिया की उनकी मजबूत कम्युनिटी उनके लिए एक सुरक्षा कवच और आत्मविश्वास का सबसे बड़ा जरिया बनी है। अपनी डेब्यू ब्लॉकबस्टर फिल्म जुगजुग जिओ की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए प्राजक्ता ने साझा किया कि वह उनके करियर का एक बहुत बड़ा मोड़ था। उस फिल्म में अनिल कपूर, नीतू कपूर, वरुण धवन, कियारा आडवाणी और करण जोहर जैसे हिंदी सिनेमा के बड़े नाम शामिल थे। इतने बड़े सितारों के बीच काम करने के बावजूद प्राजक्ता ने अपना संयम बनाए रखा। उन्होंने कहा कि सेट पर मौजूद हर वरिष्ठ और साथी कलाकार ने उनके साथ बेहद गर्मजोशी और सम्मानजनक व्यवहार किया, जिससे उन्हें अपनी भूमिका को निखारने में काफी मदद मिली। प्राजक्ता का मानना है कि एक कंटेंट क्रिएटर के तौर पर सालों तक दर्शकों से सीधे जुड़े रहने की वजह से वह आम लोगों की पसंद और उम्मीदों को बेहतर ढंग से समझ पाई हैं। यही वजह है कि जब वह कैमरे के सामने आती हैं, तो उनका उद्देश्य केवल अपने किरदार में जान फूँकना होता है ताकि उनका अनुसरण करने वाले प्रशंसक उन पर गर्व कर सकें। प्राजक्ता कोली की यह कहानी आज के युवाओं और नए डिजिटल क्रिएटर्स के लिए एक प्रेरणा है कि मेहनत और ईमानदारी के दम पर किसी भी मंच से बॉलीवुड की बुलंदियों तक पहुंचा जा सकता है।

आउटसाइडर को मौका मिलना बड़ी बात

छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब एक्ट्रेस ईशा मालवीय बड़े पर्दे पर अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। फिल्म 'तुम मेरे हो' से बॉलीवुड में डेब्यू करने को लेकर ईशा काफी एसाइटेड हैं। हालांकि, पहली फिल्म को लेकर उनके मन में घबराहट भी है लेकिन वह इस मौके को लेकर ज्यादा खुश हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बड़े पर्दे पर काम करने का मौका मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। ईशा मालवीय ने बातचीत में अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'पहली फिल्म होने की वजह से मैं नर्वस हूं और मुझे डर भी लग रहा है लेकिन मेरी खुशी नर्वस होने से कहीं ज्यादा है। एक आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना मेरे लिए बड़ी बात है। मैं इस मौके को लेकर काफी एसाइटेड हूं और अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का इंतजार कर रही हूं।' ईशा मालवीय ने कहा, 'मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं। मुझे लगता है कि अब तक मैंने जो मेहनत की है, जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया है और मुझे यहां तक पहुंचाने के लिए मेरे माता-पिता ने जो परेशानियां झेली हैं, उन सबका नतीजा अब सामने आ रहा है। मैं फिल्म 'तुम मेरे हो' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हूं। इसके लिए मैं बहुत खुश हूं।' ईशा ने कहा, 'मेरे लिए अभी भी इस बात पर यकीन करना आसान नहीं है कि मैं सच में बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन गई हूं। मुझे कई बार ऐसा लगता है, जैसे मैं कोई सपना देख रही हूं। हालांकि, जब मैं फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ देखती हूं, तो मुझे इस बात का एहसास होता है कि मेरा सपना अब हकीकत बन रहा है। यह मेरे लिए अनुभव काफी खास है और मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूं।' अपनी फिल्म 'तुम मेरे हो' को लेकर ईशा ने कहा, 'मुझे उमीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सिंपल लव स्टोरी देखना चाहते हैं। हम दर्शक के तौर पर असर शिकायत करते हैं कि अच्छी फिल्में नहीं आ रही हैं। फिल्मों में बहुत हिंसा और खून-खराबा है। रोमांस कहाँ है? एक सिंपल लव स्टोरी कहाँ है? इसलिए हम आपके लिए 'तुम मेरे हो' लेकर आए हैं।' फिल्म 'तुम मेरे हो' में ईशा मालवीय के साथ एक्टर गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे।



अब सनी देओल और श्रद्धा कपूर से भिड़ेंगे सलमान !

सलमान खान के फैन्स के लिए गुड न्यूज है. लंबे वक्त से उनकी फिल्म 'मातृभूमि' अटकी हुई थी. पहले 'बैटल ऑफ गलवान' से टाइटल ही बदल दिया गया, जिसके बाद फिल्म में काफी बदलाव किए गए हैं. लेकिन कुछ वक्त पहले ही फिल्म को वलीयरेंस मिल गई थी. तमाम अड़चनों को पार करने के बाद कुछ समय पहले ही इस फिल्म का सेंसर बोर्ड और सरकार की ओर से रास्ता साफ हो गया है. रिलीज डेट को लेकर भी दो डेट्स पर चर्चा चल रही. एक है नवंबर 20 और दूसरे डेट है- 4 दिसंबर. मुश्किल सफर के बाद सलमान खान की 'मातृभूमि' 2026 के आखिर में रिलीज होने की रेस में वापस आ गई है. एक रिपोर्ट से पता लगा कि फिल्म को 20 नवंबर या 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज करने की हथुलानिग है. अगर यह 20 नवंबर को रिलीज होती है, तो इसका मुकाबला सनी देओल की 'सूर्या' से होगा. वहीं, अगर यह 4 दिसंबर को आती है, तो इसका सामना श्रद्धा कपूर की 'ईटा' से होगा. हालांकि, फिलहाल रिलीज डेट की प्लानिंग चल रही है, मेकर्स ने कोई ऑफिशियल ऐलान डेट को लेकर नहीं किया है.

कन्नड़ सुपरस्टार यश ने भी की साई पल्लवी की तारीफ

अपकमिंग फिल्म रामायण में माता सीता का किरदार निभा रही दक्षिण भारतीय अभिनेत्री साई पल्लवी की बीते दिनों अभिनेता रणबीर कपूर ने जमकर तारीफ की थी। अभिनेता रणबीर के बाद फिल्म में रावण की भूमिका निभा रहे कन्नड़ सुपरस्टार यश ने भी साई पल्लवी की तारीफ में कसीदे पढ़े हैं। उन्होंने दर्शकों से साई पल्लवी को प्यार और आशीर्वाद देने की भी अपील की है, जिससे यह साफ होता है कि टीम को उनके अभिनय पर कितना भरोसा है। शुरुआत में, साई पल्लवी को सीता के रोल में कास्ट किए जाने पर लोगों ने काफी सवाल उठाए थे, लेकिन फिल्म के कलाकारों द्वारा मिल रही सराहना ने उन सभी संदेहों को दूर कर दिया है। हाल ही में नितेश तिवारी की फिल्म रामायण का इंटरनेशनल ट्रेलर लॉन्च किया गया था, जिसमें कई नए और दिलचस्प सीन देखने को मिले। इस

लॉन्च इवेंट के दौरान यश ने साई पल्लवी को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि साई पल्लवी बेहद धार्मिक स्वभाव की हैं और उन्हें जब भी वक्त मिलता है, वह मां सीता को याद करने लगती हैं। यश ने इस बात पर जोर दिया कि साई पल्लवी भगवान में बहुत ज्यादा विश्वास रखती हैं और ईश्वर के प्रति उनके मन में खास श्रद्धा है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि साई को सीता का रोल निभाने का मौका मिला। उनमें इस रोल के लिए टैलेंट भी है और उनका दिल भी बहुत अच्छा है। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे साई पल्लवी को इस रोल में अपना प्यार दें और उन्हें अपना आशीर्वाद दें। यह पहली बार नहीं है कि किसी ने साई पल्लवी की इतनी तारीफ की हो। इससे पहले फिल्म में भगवान राम का रोल निभाने वाले रणबीर कपूर ने भी लॉस एंजिल्स में हुए एक

इवेंट के दौरान उनकी जमकर प्रशंसा की थी। रणबीर ने कहा था कि साई पल्लवी एक बेहतरीन स्टार हैं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार साई पल्लवी को माता सीता के गेटअप में देखा, तो वह हैरानी से नितेश तिवारी की ओर देखने लगे थे और सोचने लगे थे कि इनसे बेहतर इस किरदार के लिए कोई नहीं हो सकता था। रामायण एक विशाल परियोजना है जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण के सशक्त किरदारों में दिखाई देंगे। इसके अलावा, फिल्म में सनी देओल हनुमान, रवि दुबे लक्ष्मण, कुणाल कपूर इंद्र, रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा, लारा दत्ता कैकेयी और दिग्गज अभिनेता अरुण गोविल राजा दशरथ के रोल में नजर आएंगे। नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण जल्द ही बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।



प्रभास की 'सालार 2' पर बड़ा अपडेट, अगले साल जून में शुरू हो सकती है शूटिंग

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'सालार-पार्ट 1-सीजफायर' ने साल 2023 में सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस एक्शन फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला और इसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। फिल्म की कहानी खानसार की काल्पनिक दुनिया में दिखाई गई थी, जिसने अपने बड़े पैमाने और दमदार एक्शन से दर्शकों के बीच अलग पहचान बनाई। अब इसके सीकवल 'सालार-पार्ट 2-शौर्यांग पर्व' को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है, जिसने फैस की उत्सुकता बढ़ा दी है। प्रभास के जन्मदिन के मौके पर निर्देशक प्रशांत नील ने उनसे मुलाकात की। इस खास मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, जिसमें दोनों एक-दूसरे को गले लगाते और हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में प्रभास अपने अंदाज में प्रशांत नील से जन्मदिन के तोहफे के बारे में पूछते हैं। इस पर निर्देशक मुस्कुराते हुए कहते हैं कि 'सालार 2' खुद ही उनके लिए एक गिफ्ट है। इस बातचीत ने फिल्म के सीकवल को लेकर चर्चा तेज कर दी है। अगले साल जून में शुरू होगी 'सालार 2' की शूटिंग सामने आई जानकारी के मुताबिक, 'सालार-पार्ट 2-शौर्यांग पर्व' की शूटिंग अगले साल जून में शुरू होने की योजना है। इस खबर के बाद फिल्म का इंतजार कर रहे दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ गया है। हालांकि, फिल्म की शूटिंग से जुड़ी इस जानकारी को लेकर आधिकारिक पुष्टि और आगे के अपडेट पर नजर बनी हुई है।

'हाउसफुल 4' के सात साल पूरे, कृति खरबंदा ने याद किया अपना शाही अंदाज

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा ने अपनी फिल्म 'हाउसफुल 4' के सात साल पूरे होने पर इससे जुड़ी यादें ताजा की हैं और फिल्म का हिस्सा बनने के लिए आभार जताया है। वर्ष 2019 में रिलीज हुई कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 4' की सालगिरह पर कृति ने सोशल मीडिया पर एआई से तैयार एक वीडियो साझा किया, जिसमें फिल्म से उनका शाही लुक नजर आ रहा है। अभिनेत्री ने इसके साथ भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, फ़िल्म, इस अनुभव, पूरी टीम और बेशक हमारे दर्शकों के लिए आभारी हूं। फ़िल्म में कृति खरबंदा दोहरी भूमिका में नजर आई थी। उनके पारंपरिक परिधानों, खूबसूरत आभूषणों और राजसी अंदाज ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया था। फिल्म में अलग-अलग समयवधियों में उनके किरदारों के लुक और व्यक्तित्व में अंतर भी देखने को मिला था। कृति की इस पोस्ट ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा कर दिया है। अभिनेत्री ने अपने संदेश के जरिए फिल्म की पूरी टीम और दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग और प्यार ने इस अनुभव को उनके लिए यादगार बनाया।



पाकिस्तान से आगे निकला भारत का जीत का रिकॉर्ड, 300 टी-20 मैचों में दर्ज की 200 जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा समय में टी20 क्रिकेट का क्रेज लगातार बढ़ रहा है और द्विपक्षीय सीरीज में टी20 के मुकाबले अधिक खेले जा रहे हैं। लगभग हर टीम खेल के इस छोटे प्रारूप में अधिक से अधिक मैच खेल रही है जिससे टेस्ट और वनडे के भविष्य पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। भारत ने सर्वाधिक तीन बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया है, लेकिन आपको जानकारी हैरानी होगी कि इस टीम ने टी20 में सर्वाधिक मैच नहीं खेले हैं।

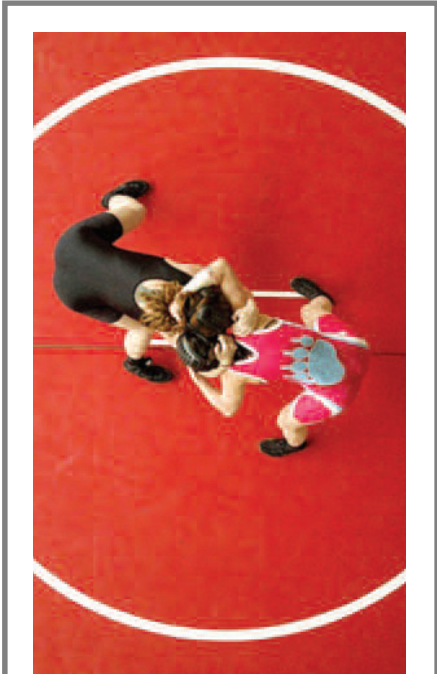
भारत और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार को दूसरा टी20 मुकाबला खेला गया। भारतीय टीम के लिए ये मैच काफी विशेष रहा क्योंकि उसने मैदान पर उतरने के साथ ही बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। शनिवार को क्राइस्टचर्च के प्रसिद्ध हेगले ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले के साथ ही भारतीय टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का एक नया और अनूठा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। इस महत्वपूर्ण मैच के साथ ही भारत, चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के बाद टी20

अंतरराष्ट्रीय मैचों का 300 या उससे अधिक का आंकड़ा छूने वाली दुनिया की केवल दूसरी टीम बन गई है। क्रिकेट के इस सबसे तेज, छोटे और रोमांचक फॉर्मेट में भारत की यह यात्रा अविश्वसनीय रूप से सफल रही है, जिसने दुनिया भर के खेल प्रेमियों को अनगिनत यादगार और ऐतिहासिक लम्हे दिए हैं।

टी20 में सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड फिलहाल पाकिस्तान के नाम है। पाकिस्तान ने अब तक 304 टी20 मैच खेले हैं और वह पहले स्थान पर है। हालांकि, भारत ठीक उसके पीछे है। भारत इस सूची में अब दूसरे पायदान पर मजबूती से स्थापित हो गया है, जिसने अपने 300 मैच पूरे कर लिए हैं। इस क्रम में न्यूजीलैंड की टीम तीसरे स्थान पर है, जिसने अब तक कुल 269 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में हिस्सा लिया है। इसके अतिरिक्त, वेस्टइंडीज की टीम ने 260 और श्रीलंका ने 243 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जो इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली दुनिया की शीर्ष टीमों में शुमार हैं।

टी-20 में भारत-पाकिस्तान के आंकड़े

टी20 में भारतीय टीम के आंकड़ों को देखें तो टीम ने 300 मैचों में से 200 में जीत दर्ज की है। वहीं, मौजूदा टी20 विश्व कप चैंपियन टीम को 83 मैचों में हार मिली है और सात मैच टाई रहे हैं। वहीं, 10 मैच बेनतीजा रहे हैं। टी20 में 200 जीत का यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय टीम ने टी20 क्रिकेट में किस स्तर का एकतरफा दबदबा बनाया है और वैश्विक मंच पर अपनी सर्वोच्चता कायम रखी है। दूसरी ओर, पाकिस्तान के प्रदर्शन को देखें तो उसने कुल 304 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें से उसे 176 मुकाबलों में जीत नसीब हुई है और 116 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान के चार मैच टाई पर छूटे हैं और आठ मुकाबलों का कोई परिणाम नहीं आ पाया है। जब भारत और पाकिस्तान के इन आंकड़ों की तुलना की जाती है, तो भारतीय टीम का जीत-हार का अनुपात काफी अधिक मजबूत नजर आता है।



विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ललित कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचे

अस्ताना। भारत के ललित ने अमेरिका के मैक्स एमिलियानो नोवरी को 7-0 हराकर ग्रीको रोमन विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई, लेकिन तीन अन्य भारतीय पहलवान पहले दौर में ही बाहर हो गए। ललित कांस्य पदक के मुकाबले में कजाकिस्तान के इस्कर कुरबायेव से भिड़ेंगे। अगर वह यह मैच जीत जाते हैं तो विश्व चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे।

विश्व चैंपियनशिप में किस भारतीय ने जीता है पदक...

संदीप तुलसी यादव एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने 2013 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता नितेश सिवाच सहित तीन अन्य भारतीय पहलवान शुरुआती मुकाबलों से आगे नहीं बढ़ पाए। सिवाच को 97 किलोग्राम वर्ग में जर्मनी के एंटोन व्यूरा से हार का सामना करना पड़ा। जर्मनी के खिलाड़ी ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की।

करणजीत (72 किलोग्राम) अपने क्वालीफाईंग मुकाबले में जापान के रिनतारो सोगबे से 2-3 से हार गए। करनजीत अच्छी स्थिति में थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए जबकि सोगबे ने जवाबी हमला करके अंक बनाकर भारतीय खिलाड़ी को पीछे छोड़ दिया। जोगिंदर राठी को 130 किलोग्राम वर्ग में तुर्किए के पहलवान और मौजूदा यूरोपीय चैंपियन रिजा कायाल्प से करारी हार का सामना करना पड़ा।



तिलक वर्मा के फिनिशर की भूमिका से प्रभावित हुए सैंटर

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा के फिनिशर के रूप में उभरने से प्रभावित न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटर ने कहा कि बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने खुद को नई भूमिका में शानदार तरीके से ढाला है। तिलक ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में नाबाद 51 रन की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सैंटर ने तिलक को मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल एक साथ खेलते हुए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखा है, लेकिन अब बाएं हाथ का यह बल्लेबाज मैच खत्म करने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रहे हैं।

जीत में दिया अहम योगदान

भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 रन देकर चार विकेट लेने वाले सैंटर मुंबई इंडियंस की टीम में तिलक के अलावा भारत की जीत की नींव रखने वाले नमन धीर के साथ भी ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके हैं। सैंटर ने कहा, जब तिलक ने शुरुआत की थी, तब वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते थे। वह भूमिका थोड़ी अलग होती है। मध्यक्रम में आपकी भूमिका इस बात पर निर्भर करती है कि आप पारी के बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में किस तरह बल्लेबाजी करते हैं। मैं उन्हें मुंबई में पिछले कुछ वर्षों से खेलते देख रहा हूँ। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं।

नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ

उन्होंने तिलक के साथ बेहतरीन साझेदारी करने वाले नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ करते हुए कहा, नमन धीर के साथ भी ऐसा ही है। वह जिस तरह मैदान पर उतरते हैं और शुरुआत से ही बेखोफ होकर खेलते हैं, वह शानदार है। तिलक ने दूसरे मैच में थोड़ा समय लिया, लेकिन अंत में रेड्डी के साथ मिलकर लक्ष्य का पीछा बहुत अच्छी तरह संभाला। अगर आप फिनिशर की भूमिका निभाते हुए मैच खत्म करते हैं, तो आप अपना काम अच्छी तरह कर रहे हैं। इन तीनों बल्लेबाजों ने अंतिम चरण में शानदार प्रदर्शन किया।

न्यूजीलैंड ने कहा की गलती...

बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के बावजूद सैंटर को लगा कि न्यूजीलैंड ने मैदान पर कुछ अहम मौकों पर गलतियां करके मैच अपने हाथ से निकलने दिया। उन्होंने भारतीय पारी के अंतिम चरण में कैच छोड़ने और क्षेत्ररक्षण में चूक को हार का प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा, अगर दोनों टीमों के कोशल की तुलना करें तो मुकाबला काफी करीबी रहा है। फेसला मैदान पर कुछ छोटे-छोटे पलों से हुआ। दूसरे टी20 में लक्ष्य का पीछा करते समय अंतिम चरण में हम अच्छी स्थिति में थे, लेकिन हमने कुछ छेड़ छोड़ और क्षेत्ररक्षण में गलतियां कीं। यही चीजें मैच जिताती या हराती हैं न्यूजीलैंड के कप्तान ने कहा कि टीम इस हार की समीक्षा करेगी, लेकिन छूटे हुए मौकों पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने के बजाय सकारात्मक पहलुओं को भी देखेंगी। सीरीज का अगला मुकाबला वेलिंगटन में खेला जाना है, जहां तेज हवाओं के कारण क्षेत्ररक्षण एक बार फिर चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

वाल्टर को वापसी की उम्मीद, बोले- हमने मौके गंवाए

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने रविवार को कहा कि भारत के खिलाफ पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनकी टीम ने कुछ मौके गंवाए लेकिन उन्हें उम्मीद है कि टीम बाकी बचे तीन मैच में वापसी करने में सफल रहेगी। न्यूजीलैंड की टीम ने पहले दो मैच में अधिकतर समय अपना पलड़ा भारी रखा लेकिन आखिर में उसे हार का सामना करना पड़ा। वाल्टर का मानना है कि उनकी टीम ने प्रत्येक मैच के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया था। वाल्टर ने कहा, हम दोनों मैचों में आसानी से जीत हासिल कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमने कुछ अच्छे मौके गंवाए जिससे परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहा। हार से थोड़ी निराशा है लेकिन हम अपने प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। हम दोनों मैच का अंत अपने अनुकूल नहीं कर पाए जो निराशाजनक है लेकिन हमारे लिए दोनों मैच में कई सकारात्मक पहलू रहे।

वाल्टर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को महत्वपूर्ण क्षणों में अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। न्यूजीलैंड ने दूसरे मैच में कुछ कैच छोड़े जबकि एक बार नोबॉल होने के कारण बल्लेबाज को जीवनदान मिला। उन्होंने कहा, कोई भी जानबूझकर ऐसी गलतियां नहीं करता। अनजाने में ऐसा हो जाता है। इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। दूसरे मैच की बात करें तो पावरप्ले में तीन विकेट गंवाने के बाद 180 रन तक पहुंचना आसान नहीं होता है। ईमानदारी से कहूं तो इस स्कोर का बचाव किया जा सकता था।



सैंटर को सराहा

वाल्टर ने दूसरे मैच में कप्तान मिचेल सैंटर के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की जिन्होंने चार विकेट लेकर मैच का रुख अपने पक्ष में मोड़ दिया था। उन्होंने कहा, कभी-कभी उनके प्रदर्शन को सराहना नहीं मिलती है। यह कोई बहुत ज्यादा टर्न लेने वाली पिच नहीं थी। थोड़ी बहुत उछाल जरूर थी। लेकिन जिस तरह से उन्होंने गेंद को क्रीज पर घुमाया और अपनी गति का इस्तेमाल किया, वह वास्तव में काबिले तारीफ था।

धोनी खेलेंगे या लेंगे संन्यास, दिसंबर से पहले होगा फैसला

बंगलूरू, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने भविष्य को लेकर अहम संकेत दिया है। धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में दिसंबर से पहले फैसला लिया जा सकता है।

बंगलूरू में एक हेल्थकेयर कार्यक्रम के दौरान धोनी से पूछा गया कि क्या वह आईपीएल का एक और सीजन खेलना चाहेंगे। इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि पहले उन्हें फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा और रिपोर्ट के आधार पर यह देखा होगा कि वह एक और सीजन खेलने के लिए कितने मजबूत हैं। धोनी ने अपने भविष्य पर बात करते हुए कहा, 'डॉक्टर, मुझे टेस्ट से गुजरना होगा। आपको मुझे रिपोर्ट देनी होगी और फिर दिसंबर से पहले मुझे देखा होगा कि मैं एक और सीजन खेलने के लिए कितना मजबूत हूँ।' उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर वह खेलने की स्थिति में नहीं हों, तो डॉक्टरों को उनकी सेहत का पूरा ध्यान रखना होगा, ताकि यह पुरानी गाड़ी सड़क पर अच्छी तरह चलती रहे।

चोट के कारण नहीं खेले धोनी

एमएस धोनी आईपीएल 2026 में फिटनेस संबंधी समस्याओं, खासकर पिंडली की परेशानी के कारण पूरे सीजन से बाहर रहे। उनकी गैरमौजूदगी चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के लिए निराशाजनक रही। अब सभी की नजरें उनकी फिटनेस और अगले सीजन में संभावित वापसी पर हैं। हालांकि, धोनी ने अभी आईपीएल 2027 में खेलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

पिछले सीजन रहे निराशाजनक

चेन्नई सुपर किंग्स ने धोनी की कप्तानी में आखिरी बार 2023 में आईपीएल खिताब जीता था। 2024 से ऋतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में खेल रही टीम को पिछले दो सीजन में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। टीम 2025 में अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही, जबकि 2026 में आठवें स्थान पर रही। ऐसे में धोनी की संभावित वापसी को लेकर प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है। हालांकि, टीम में उनकी भूमिका और अगले सीजन में खेलने की संभावना उनकी फिटनेस तथा अंतिम निर्णय पर निर्भर करेगी।

धोनी बोले- RCB ने शानदार प्रदर्शन किया

एमएस धोनी ने कहा कि कागजों पर किसी टीम का मजबूत दिखना उतना मायने नहीं रखता, जितना मैदान पर सही दिन अच्छा प्रदर्शन करना। उनके मुताबिक, टी20 जैसे छोटे प्रारूप में शीर्ष टीमों के बीच अंतर बहुत कम होता है और एक मैच का प्रदर्शन नतीजा बदल सकता है। धोनी ने माना कि पिछले दो वर्षों में सीएसके का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, जबकि आरसीबी ने लगातार बेहतर क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि आरसीबी की उपलब्धियों को स्वीकार करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। धोनी के अनुसार, खेल में अच्छे और बुरे दौर आते रहते हैं। असली परीक्षा तब होती है, जब टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाती। ऐसे समय में टीम को अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन पर काम करना जरूरी होता है।

बंगलूरू के मैदान पर बल्लेबाजों को आता है मजा

एमएस धोनी ने बंगलूरू के क्रिकेट मैदान की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यहां गेंद आसानी से बाउंड्री पार कर सकती है, जिससे बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने का मौका मिलता है। उनके मुताबिक, कई बार बल्लेबाज का शॉट सही तरीके से नहीं लगने के बावजूद गेंद छक्के के लिए चली जाती है। हालांकि, यही मैदान गेंदबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण भी बन जाता है। धोनी ने कहा कि इस तरह के हाई-स्कोरिंग मुकाबले दर्शकों के लिए मनोरंजक होते हैं। बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर मिलता है, जबकि गेंदबाजों को दबाव में अपनी क्षमता साबित करनी पड़ती है।

धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा



यूएई में 240 करोड़ की लॉटरी जीतने वाले भारतीय ने बताया, कैसे बदली उनकी जिंदगी

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) निवासी भारतीय मूल के आईटी पेशेवर अनिल कुमार बोल्स ने 240 करोड़ की भारी-भरकम लॉटरी जीतने के बाद अपने जीवन और प्राथमिकताओं में आए बदलावों पर खुलकर बात की है। मूल रूप से तेलगाना निवासी अनिल ने 18 अक्टूबर 2025 को यूएई लॉटरी के लकी डे ड्रॉ में 10 करोड़ दिरहम यानी करीब 240 करोड़ रुपये का यह जैकपॉट जीता था। उस समय उनकी उम्र 29 साल थी। उन्होंने कुल 12 टिकट खरीदे थे, और उनके सभी सातों नंबर विजेता नंबरों से पूरी तरह मेल खा गए थे, जिससे वह रातोंरात करोड़पति बन गए। लॉटरी जीतने के बाद अनिल ने अपनी दौलत का इस्तेमाल सबसे पहले अपने परिवार के सपनों को पूरा करने में किया। उन्होंने अपनी मां की इच्छा पूरी करते हुए उनके लिए सोने के गहने खरीदे और खेती के शौकीन अपने पिता के लिए कृषि भूमि खरीदी, ताकि वे अपनी पसंद के अनुसार जैविक खेती कर सकें। हालांकि, उन्होंने अपने पुराने पैतृक घर को बदलने के बजाय उस पैसा ही रहने दिया क्योंकि वह उनके पिता की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, उन्होंने भारत और यूएई दोनों जगह संपत्तियां खरीदी हैं और अब वे भविष्य के लिए नए कारोबार शुरू करने के अवसरों की तलाश कर रहे हैं।

जापान के बोनिन द्वीप समूह में 7.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

टोक्यो, एजेंसी। एशियाई देश जापान की धरती शनिवार, 24 अक्टूबर 2026 को एक बार फिर कांप उठी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, जापान की राजधानी टोक्यो से लगभग 1000 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में स्थित बोनिन द्वीप समूह में 7.0 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया। यह भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम 4 बजकर 9 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र जापान के बोनिन द्वीप समूह के पास, राजधानी टोक्यो के दक्षिण में समुद्र के भीतर स्थित था, जिसकी गहराई जमीन से लगभग 492.4 किलोमीटर थी। इतनी अधिक गहराई पर आने वाले भूकंप के प्रभाव आमतौर पर सतह पर कम महसूस होते हैं, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान होने की संभावना कम हो जाती है। हालांकि, भूकंप की तीव्रता 7.0 होने के कारण इस पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अमेरिकी नेशनल वेदर सर्विस ने पुष्टि की है कि हवाई और प्रभावित क्षेत्रों के लिए सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, जिससे यह एक बड़ी राहत की खबर है। अब तक, जापान में इस भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान या बड़ी क्षति की कोई खबर सामने नहीं आई है। जापान, जो प्रशांत रिंग ऑफ फ़ायर पर स्थित होने के कारण अक्सर भूकंप का अनुभव करता है, अपनी कठोर भूकंपप्रती मिश्रण तकनीकों और त्वरित आपदा प्रतिक्रिया प्रणालियों के लिए जाना जाता है। ये प्रणालियां ऐसे शक्तिशाली भूकंपों के प्रभावों को कम करने में सहायक सिद्ध होती हैं।

सऊदी अरब में दो बांग्लादेशी नागरिकों को मृत्युदंड, ढाका ने मांगी विस्तृत जानकारी

ढाका। सऊदी अरब के मक्का क्षेत्र में दो बांग्लादेशी नागरिकों को मृत्युदंड देने के मामले में बांग्लादेश सरकार ने सऊदी अधिकारियों से विस्तृत जानकारी मांगी है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नागरिकों को 14 अक्टूबर को मक्का की एक मस्जिद में कथित तौर पर अशोभनीय कृत्य करने के मामले में दोषी ठहराने के बाद मृत्युदंड दिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जेद्दा स्थित बांग्लादेशी महावाणिज्य दूतावास ने 19 अक्टूबर को सऊदी विदेश मंत्रालय की मक्का शाखा को राजनयिक पत्र भेजकर छह सवालों के जवाब मांगे। इसमें आरोपों का विवरण, घटना की तारीख और स्थान, गिरफ्तारी की तारीख तथा अदालत के फैसलों की प्रमाणित प्रतियां शामिल हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा बैटरी से चलने वाला जहाज ‘चाइना जोरिल्ला’ सेवा में शामिल

-130 मीटर लंबा जहाज ले जा सकता है 2,100 से अधिक यात्रियों और 225 वाहनों को

ब्यून्स आयर्स,एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े बैटरी-इलेक्ट्रिक जहाज ‘चाइना जोरिल्ला’ ने आधिकारिक तौर पर सेवा शुरू कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया में इकैट कंपनी द्वारा निर्मित यह जहाज दक्षिण अमेरिकी कंपनी बुकेबस के लिए संचालित होगा। इसका नाम ऊरुवे की प्रसिद्ध अभिनेत्री चाइना जोरिल्ल के नाम पर रखा गया है। जहाज की लंबाई 130 मीटर और चौड़ाई 32 मीटर है। इसमें एक साथ 2,100 से अधिक यात्रियों और 225 वाहनों ले ले जाने की क्षमता है। इसकी सबसे प्रमुख विशेषता इसका बैटरी आधारित संचालन है। इसमें 250 टन से



अधिक वजन की बैटरियां और 40 से 43 मेगावाट-घंटे की ऊर्जा भंडारण प्रणाली लगाई गई है। यह जहाज अर्जेंटीना की राजधानी ब्यून्स आयर्स और ऊरुवे के बीच रिवर प्लेट मार्ग पर चलेगा। इसके

आठ इलेक्ट्रिक वाटरजेट इंजन लगभग 25 समुद्री मील की गति प्रदान कर सकते हैं। पूरा तरह बैटरी से संचालित होने के कारण जहाज के परिचालन के दौरान प्रत्यक्ष धुआं और निकास

ओबामा ने ट्रंप प्रशासन पर साधा तीखा निशाना

ईरान युद्ध से लेकर व्हाइट हाउस की साज-सज्जा तक पर घेरा

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका में मिडटर्म चुनावों की सरगमी के बीच पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने डेमोक्रैटिक पार्टी के पक्ष में जोरदार मोर्चा संभाल लिया है। ओहायो में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ओबामा ने वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की नीतियों और कार्यशैली पर जमकर हमला बोला। उन्होंने बढ़ती महंगाई, ईरान के साथ युद्ध, विदेश नीति और व्हाइट हाउस में किए जा रहे बदलावों को लेकर ट्रंप को घेरा, और यहां तक कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर भी व्यांग कसा।ओबामा ने ईरान के साथ जारी युद्ध को लेकर ट्रंप प्रशासन की रणनीति पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने याद दिलाया कि उनके राष्ट्रपति कार्यकाल में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए एक कूटनीतिक समझौता किया गया था, जिसे उन्होंने बड़ी सफलता बताया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन ने जब युद्ध शुरू किया, तब दावा किया गया कि इससे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन सात महीने बाद अमेरिकी ठिकानों और सहयोगियों पर हमले हुए, अमेरिकी सैनिकों की जान गई और मिसाइलों का भंडार घटा। उन्होंने आरोप



लगाया कि ट्रंप प्रशासन ने देश को एक ऐसे अनावश्यक संघर्ष में उलझा दिया है, जिसकी भारी कीमत अमेरिकी नागरिकों को चुकानी पड़ रही है। पूर्व राष्ट्रपति ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का मजाक उड़ाते हुए उनकी दिखावटी जीवनशैली पर तंज कसा। ओबामा ने कहा कि देश की कमान ऐसे लोगों के हाथ में है, जो गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने के बजाय दिखावे, बयानबाजी और दूसरों को नीचा दिखाने में लगे रहते हैं। उनके मुताबिक, ऐसे रवये का खामियाजा अंततः आम अमेरिकियों को भुगतान पड़ता

है। ट्रंप के व्हाइट हाउस में कराए जा रहे नवीनीकरण पर भी ओबामा ने व्यांग किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को घरों की सजावट वाले टीवी कार्यक्रम में होना चाहिए, क्योंकि व्हाइट हाउस अब ऐसा दिखने लगा है, मानो सड़ाम हुसैन ने वहां चीजकेक फैक्ट्री खोल दी हो। ओबामा का इशारा था कि जब अमेरिकी परिवार महंगाई से जूझ रहे हैं, तब राष्ट्रपति का ध्यान नए बॉलरूम, रोज़ गार्डन में बदलाव और हर जगह सोने की सजावट जैसी प्राथमिकताओं पर केंद्रित है। ओहायो की इस रैली में ओबामा डेमोक्रैटिक उम्मीदवार एमी क्वेटन और शेरॉड ब्राउन के समर्थन में पहुंचे थे। उन्होंने मतदाताओं से रिपब्लिकन नेतृत्व को उनकी नीतियों के लिए जवाबदेह ठहराने की अपील की। ओबामा का स्पष्ट संदेश था कि मिडटर्म चुनावों के जरिए ट्रंप प्रशासन की नीतियों पर लगाम लगाने और देश की दिशा तय करने का यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस तरह, बराक ओबामा ने अपने भाषण में ईरान युद्ध, बढ़ती कीमतों, रक्षा नेतृत्व और व्हाइट हाउस की साज-सज्जा जैसे मुद्दों को जोड़कर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को निशाने पर लिया।

डील नहीं होने पर ईरान पर हमला होना तय : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी।

ईरान के बीच गहराते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर तेहरान को कड़ी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान पर सैन्य हमला करने पर विचार कर रहा है, हालांकि इसके साथ ही दोनों देशों के बीच बड़ा समझौता होने की संभावना भी पूरी तरह खारिज नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन मुख्य सवाल यह है कि क्या वह इसकी शर्तों का इमानदारी से पालन करेगा। वहीं, दूसरी ओर ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने अंतरिम समझौते को लेकर बातचीत टूटने के लिए सीधे तौर पर अमेरिका की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है।

ट्रंप ने संभावित सैन्य कार्रवाई पर कहा



कि अमेरिका इस पर विचार कर रहा है और संभव है कि रविवार को ही कोई कड़ा कदम उठाया जाए। हालांकि, उन्होंने हमले की योजना के बारे सीधे तौर पर कुछ भी बताने से इंकार कर दिया। ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास

अमेरिका के साथ समझौता कर आगे की तबाही से बचने का पूरा विकल्प है। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान भविष्य में कभी परमाणु हथियार विकसित न कर सके। उन्होंने कहा कि वह इस

सीएम बोलीं- रेप पीड़िता को 2 करोड़ का ऑफर दिया

आरोपी की जमानत के लिए जज ने ली रिश्तत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अजरबैजान की 20 वर्षीय महिला से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले ने एक सनसनीखेज मोड़ ले लिया है, जिसने देश की न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने सीधे तौर पर एक जज पर मुख्य आरोपी अहमद तनवीर को जमानत दिलाने के लिए रिश्तत लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पीड़िता को अपनी शिकायत वापस लेने

के बदले लगभग दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये (लगभग 70,000 अमेरिकी डॉलर) की पेशकश की गई थी। इन पुलिस ने मुख्य आरोपी अहमद तनवीर को शुरूबाद को अदालत से जमानत अवधि बढ़ने के बावजूद नाटकीय ढंग से सत्र अदालत परिसर के बाहर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, अजरबैजान के बाकू की रहने

वाली 20 वर्षीय यह महिला सितंबर के मध्य में व्यापारिक उद्देश्य से पाकिस्तान आई थी। 25 सितंबर को लाहौर के डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी इलाके में उसे एक कैफे में बुलाया गया, जहां से उसे एक फ्लैट में ले जाकर शराब पिलाई गई और फिर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इस मामले में पहले दो पुरुष आरोपियों और दो महिला सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि अहमद तनवीर

जमानत पर था। मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने अहमद तनवीर की गिरफ्तारी को सही ठहराते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, कोई भी बलात्कारी या अपराधी केवल इसलिए न्याय से बच नहीं सकता कि उसके पास पैसा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरोपी के संपन्न परिवार ने पीड़िता को आरोप वापस लेने के बदले दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये देने की पेशकश की थी, जबकि उसका बयान दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत पहले ही दर्ज हो चुका था।

पुलिस को धन्यवाद देते हुए बोलीं मेलोनी- प्रदर्शन ठीक पर हिंसा और अराजकता बर्दाश्त नहीं

- इटली के कई शहरों में महंगाई, सैन्य विस्तार और रक्षा खर्च बढ़ाने के खिलाफ प्रदर्शन**
- रोम और ट्यूरिन में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प**

रोम, एजेंसी। इटली में महंगाई, बढ़ते सैन्य खर्च और सेना के विस्तार के विरोध में शनिवार को कई शहरों में प्रदर्शन हुए। कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव भी हुआ। इस बीच, प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस तथा सुरक्षा बलों की सलाहना की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का

अधिकार हमेशा सुरक्षित रहना चाहिए, लेकिन नागरिकों को अपने शहरों में सुरक्षित माहौल में रहने का अधिकार भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

मेलोनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने देश के विभिन्न शहरों और सार्वजनिक स्थानों पर नागरिकों की सुरक्षा तथा शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के अधिकार को बनाए रखने के लिए काम किया। कुछ लोगों की ओर से झड़प और अव्यवस्था फैलाने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने अपनी जिम्मेदारी निभाई। प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री माटेओ पियान्टेदोसी, प्रोफेक्ट्स, क्रैस्ट्स और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की

कार्रवाई में समन्वय करने वाले अधिकारियों की भी सराहना की।

हिंसा रोकने के लिए प्रभावी कदमों पर जोर मेलोनी ने कहा कि मंत्रिपरिषद की ओर से हाल ही में मंजूर किए गए कदमों का उद्देश्य हिंसा रोकने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य को अधिक प्रभावी साधन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सभी के लिए जरूरी है—उन लोगों के लिए भी जो शांतिपूर्वक प्रदर्शन करना चाहते हैं, उनके लिए भी जो काम करते हैं और उनके लिए भी जो बिना किसी डर के अपने शहरों में रहना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि टकराव और हिंसा फैलाने वालों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने

शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

रोम, बोलोग्ना और ट्यूरिन में झड़पें इटली के मीडिया के अनुसार, शनिवार को कई शहरों में लोगों ने बढ़ती महंगाई, सैन्य विस्तार और रक्षा बजट में वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन किए। रोम में प्रदर्शनकारी दोपहर के समय पियाजा डेला रिपब्लिका से युद्ध-विरोधी मार्च के लिए निकले। शाम को शहर के केंद्र में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारों और ऑसू गैस का इस्तेमाल किया। बोलोग्ना में भी कुछ प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव



हुआ। वहीं, ट्यूरिन में प्रदर्शनकारियों ने बढ़ते सैन्य खर्च और ईंधन की कीमतों में वृद्धि का विरोध किया। वहां भी शनिवार शाम पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं।

ब्रिटेन ने नागरिकों को तीन दिन के आपातकाल में रहने की सलाह

लंदन, एजेंसी।

ब्रिटेन सरकार ने हाल ही में अपने नागरिकों को एक अप्रत्याशित सलाह जारी कर आपातकालीन तैयारी के लिए सचेत किया है। बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों, खराब मौसम की आशंकाओं और साइबर हमलों के खतरे को देखते हुए, सरकार ने अपनी नई ‘बी रेडो’ मुहिम के तहत लोगों से आपात स्थिति के लिए कम से कम तीन दिन का भोजन और पर्याप्त पानी जमा रखने का आग्रह किया है। इस घोषणा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी बड़ी आपदा या आवश्यक सेवाओं के ठप होने की स्थिति में परिवार 72 घंटे तक अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी कर सकें। सरकार की सलाह के मुताबिक, हर व्यक्ति के लिए रोजाना लगभग 3 लीटर पानी की व्यवस्था होनी चाहिए, जिसका अर्थ है तीन दिनों के लिए 9 लीटर पानी का भंडारण। इसके अतिरिक्त, लोगों को लंबे समय तक चलने वाले डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, कंबल, नकदी, एक प्राथमिक उपचार किट, बैटरी वाली टॉच और हाथ से चलने वाला एएएम रेडियो भी तैयार रखने को

कहा गया है। जानकारों के अनुसार, बिजली, इंटरनेट या भुगतान सेवाओं के बाधित होने की स्थिति में ये वस्तुएं बेहद मददगार साबित हो सकती हैं। सरकार की इस चेतावनी के पीछे कई गंभीर कारण हैं। सरकार को आशंका है कि भविष्य में चरम मौसमी घटनाओं, ऊर्जा संकट या अंतरराष्ट्रीय तनाव से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। ब्रिटेन ने हाल के वर्षों में कई शक्तिशाली तूफानों का सामना किया है, जिनसे हजारों घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। जनवरी में आए तूफान गॉरेटी के दौरान भी मिडलैंड्स, दक्षिण-पश्चिमी इंग्लैंड और वेल्स के कई इलाकों में बिजली गूल हो गई थी। इसके अलावा, ब्रिटिश रक्षा विशेषज्ञों ने रूस और अन्य विरोधी देशों की ओर से संभावित खतरों के लिए तैयार रहने की बात कही है। उन्होंने सरकारी ढांचे, बिजली व्यवस्था, इंटरनेट और भुगतान प्रणालियों पर साइबर हमलों की आशंका भी जताई है, जिससे व्यापार और आवश्यक सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं।

JDA जोन-22 में कृषि भूमि पर कॉलोनियों की प्लॉटिंग का मामला गरमाया, चार योजनाओं पर उठे सवाल

बिना भू-रूपांतरण और JDA स्वीकृति के कॉलोनियां बसाए जाने के आरोप; त्योहारों के सीजन में सोसाइटी पट्टों के नाम पर भूखंडों की बिक्री और सरकारी राजस्व पर संभावित असर की जांच जरूरी

हरसूलिया, हीरापुरा और रायपुरा क्षेत्र की आनंद विहार-A, श्री श्याम सिटी-B, वीकेड फार्म्स और ग्रीन सिटी पर नजर; JDA अधिकारियों की निगरानी और कार्रवाई को लेकर उठे सवाल

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राजधानी जयपुर में कृषि भूमि पर कॉलोनियां विकसित किए जाने और भूखंडों की बिक्री को लेकर एक बार फिर नियोजन व्यवस्था तथा संबंधित विभागों की निगरानी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) के जोन-22 के अंतर्गत बताए जा रहे हरसूलिया, हीरापुरा और रायपुरा क्षेत्रों में स्थित आनंद विहार-A, श्री श्याम सिटी-क, वीकेड फार्म्स और ग्रीन सिटी को लेकर भूमि उपयोग, भू-रूपांतरण और विकास संबंधी स्वीकृतियों की स्थिति की जांच जरूरी हो गई है। इन कॉलोनियों के संबंध में आरोप हैं कि कृषि भूमि पर आवश्यक भू-रूपांतरण और JDA की स्वीकृति के बिना प्लॉटिंग तथा कॉलोनी विकसित करने की गतिविधियां जारी हैं। यदि संबंधित परियोजनाओं में आवश्यक अनुमतियां नहीं ली गई हैं, तो यह गंभीर प्रशासनिक और नियामकीय सवाल है। ऐसे में संबंधित विभागों को भूमि के दस्तावेजों की जांच कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। हालांकि, इन चारों कॉलोनियों की स्वीकृतियों और भूमि की वर्तमान वैधानिक स्थिति की स्वतंत्र पुष्टि अभी उपलब्ध नहीं है। इसलिए वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए राजस्व रिकॉर्ड, स्वीकृत लेआउट और संबंधित विभागों के आधिकारिक दस्तावेजों की जांच महत्वपूर्ण है।

कृषि भूमि पर प्लॉटिंग, नियमों का पालन कौन सुनिश्चित करेगा?

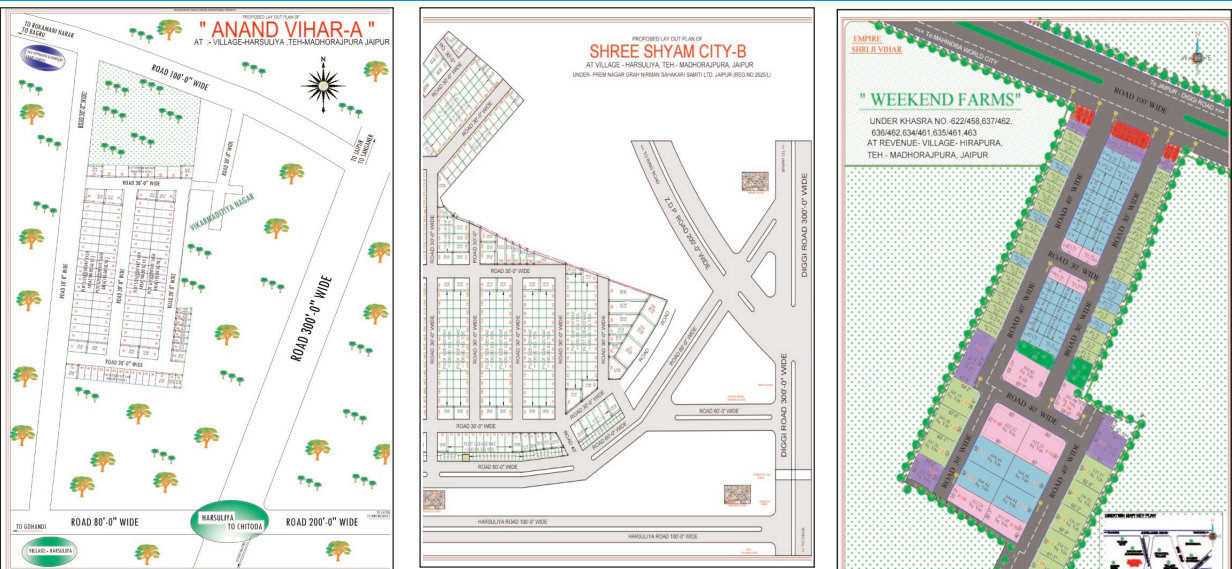
कृषि भूमि पर आवासीय या व्यावसायिक कॉलोनी विकसित करने के लिए संबंधित भूमि, प्रस्तावित उपयोग और लागू कानूनों के अनुसार आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करना जरूरी होता है। केवल जमीन का मालिकाना हक या रजिस्ट्री होना अपने आप में कॉलोनी विकसित करने की सभी स्वीकृतियों का प्रमाण नहीं है। ऐसे में सबसे पहले यह पता लगाना जरूरी है कि आनंद विहारU-A, श्री श्याम सिटी-B, वीकेड



फार्म्स और ग्रीन सिटी के अंतर्गत आने वाली जमीनों का राजस्व रिकॉर्ड क्या कहता है। क्या संबंधित भूमि का नियमानुसार भू-रूपांतरण हुआ है? क्या लेआउट प्लान सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत है? क्या मौके पर हो रहे विकास कार्य स्वीकृत योजना के अनुरूप हैं? इन सवालों का जवाब सरकारी रिकॉर्ड और स्थल निरीक्षण से ही मिल सकता है। यदि आवश्यक अनुमतियों के बिना कॉलोनी विकसित किए जाने की पुष्टि होती है, तो संबंधित कानूनों के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही, ऐसे मामलों में भूखंड खरीदने वाले लोगों को संभावित आर्थिक नुकसान और कानूनी विवाद से बचाने के लिए समय रहते स्थिति स्पष्ट करना भी जरूरी है।

दीपावली और नवरात्र के सीजन में खरीदारों के हितों पर चिंत

दीपावली और नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में लोग जमीन और भूखंड खरीदने की योजना बनाते हैं। त्योहारों के समय संपत्ति बाजार में बढ़ती गतिविधियों के बीच यदि किसी परियोजना की वैधानिक स्थिति स्पष्ट नहीं है, तो खरीदारों के लिए जोखिम बढ़ सकता है। सोसाइटी पट्टों के आधार पर भूखंड उपलब्ध कराने वाली परियोजनाओं में भी भूमि के स्वामित्व, भूमि उपयोग, संबंधित संस्था की स्थिति और लागू विकास अनुमतियों की अलग-अलग जांच आवश्यक है। केवल सोसाइटी का पट्टा या बिक्री संबंधी दस्तावेज यह साबित नहीं करता कि कॉलोनी के विकास के लिए सभी आवश्यक सरकारी स्वीकृतियां प्राप्त हैं। यदि किसी परियोजना को



JDA अधिकारियों की भूमिका पर सवाल, कार्रवाई कब होगी?

यदि इन क्षेत्रों में बिना आवश्यक स्वीकृतियों के प्लॉटिंग और विकास कार्य जारी हैं, तो संबंधित अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। क्या JDA के संबंधित जोन कार्यालय ने इन जमीनों का निरीक्षण किया है? क्या किसी प्रकार का नोटिस जारी किया गया है? क्या अनधिकृत विकास को शिकायतों पर कोई कार्रवाई हुई है? यदि कार्रवाई की गई है, तो उसका विवरण सार्वजनिक क्यों नहीं किया जाता? इन सवालों का जवाब संबंधित विभागों को आधिकारिक रिकॉर्ड के आधार पर देना चाहिए। यदि नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार व्यक्तियों या संस्थाओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही, विभागीय स्तर पर किसी प्रकार की लापरवाही सामने आने पर उसकी भी जांच होनी चाहिए। किसी भी परियोजना को बिना दस्तावेजी सत्यापन के अवैध घोषित करना उचित नहीं है, लेकिन जहां आवश्यक स्वीकृतियों को लेकर सवाल हैं, वहां जांच और पारदर्शिता से पीछे हटना भी उचित नहीं होगा। संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे रिकॉर्ड की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने रखें।

अगले अंक में दस्तावेजों के साथ होगी विशेष पड़ताल

‘द अनकवर्ड अपडेट’ समाचार पत्र की विशेष पड़ताल जारी है। जोन-22 से संबंधित आनंद विहारU-A, श्री श्याम सिटी-B, वीकेड फार्म्स और ग्रीन सिटी के मामले में उपलब्ध दस्तावेजों की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाने का प्रयास किया जाएगा। अगले अंक में इन कॉलोनियों से संबंधित भूमि के स्वामित्व, खसरा नंबर, जमाबंदी, भू-रूपांतरण, JDA स्वीकृति, लेआउट प्लान और सोसाइटी पट्टों की स्थिति की पड़ताल प्रस्तुत की जाएगी। संबंधित विभागों का आधिकारिक पक्ष भी लिया जाएगा, ताकि पाठकों के सामने एकतरफा आरोपों के बजाय दस्तावेजों पर आधारित तस्वीर रखी जा सके। किन कॉलोनियों के पास आवश्यक स्वीकृतियां हैं, कहां दस्तावेजों की कमी सामने आती है और JDA ने क्या कार्रवाई की है—इन सवालों के जवाब अगली पड़ताल का प्रमुख हिस्सा होगा। यदि दस्तावेजों से नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो संबंधित तथ्यों को प्रमाणों के साथ उजागर किया जाएगा। ‘द अनकवर्ड अपडेट’ का उद्देश्य जनहित से जुड़े सवालों को तथ्यों, दस्तावेजों और संबंधित पक्षों के जवाब के आधार पर सामने लाना है। सच्चाई की पड़ताल जारी रहेगी और पाठकों तक प्रमाणित जानकारी पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

जयपुर में ग्रुप हाउसिंग के एकल पट्टे पर कॉलोनी बसाने का आरोप! जेडीए की मंजूरी, लेआउट प्लान और RERA रजिस्ट्रेशन पर उठे सवाल

तीन बीघा जमीन का मामला: डीएलसी दर पर रजिस्ट्री, बाकी रकम नकद लेने की चर्चा; सबडिवीजन की स्वीकृति कहां? प्लॉट बेचने से पहले RERA पंजीकरण कराया या नहीं?

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राजधानी जयपुर में जमीनों के कारोबार और कॉलोनियों के विकास को लेकर एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों और स्वीकृतियों की जांच जरूरी नजर आती है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के क्षेत्राधिकार में करीब तीन बीघा जमीन पर ग्रुप हाउसिंग के लिए एकल पट्टा होने की जानकारी सामने आई है। आरोप है कि इस जमीन पर कॉलोनी विकसित की जा रही है, जबकि संबंधित कॉलोनी के लिए आवश्यक जेडीए स्वीकृतियों की पुष्टि नहीं हुई है। जमीन की रजिस्ट्री डीएलसी दर पर कराने और बाजार मूल्य के अनुसार बाकी रकम नकद लेने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। अब इस मामले में तीन बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं—क्या ग्रुप हाउसिंग के एकल पट्टे के आधार पर अलग-अलग भूखंड बेचने की अनुमति है? क्या सबडिवीजन एवं लेआउट प्लान (Subdivision & Layout Plan) की विधिवत मंजूरी ली गई है? और क्या भूखंडों की बिक्री या बुकिंग शुरू करने से पहले परियोजना का RERA पंजीकरण कराया गया है? इन सवालों का जवाब संबंधित दस्तावेजों और सरकारी रिकॉर्ड की जांच से ही सामने आएगा।

एकल पट्टा ग्रुप हाउसिंग का, फिर मूखंडों की बिक्री किस आधार पर?

मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू जमीन पर जारी बताया जा रहा ग्रुप हाउसिंग का एकल पट्टा है। ग्रुप हाउसिंग परियोजना और अलग-अलग भूखंडों वाली कॉलोनी का विकास एक जैसी प्रक्रिया नहीं है। जमीन का वास्तविक उपयोग, पट्टे की शर्तें और स्वीकृत योजना यह तय करने में महत्वपूर्ण हैं कि वहां किस तरह का विकास किया जा सकता है। यदि जमीन को छोट-छोटे भूखंडों में विभाजित कर बेचा जा रहा है, तो यह जांचना आवश्यक है कि संबंधित सबडिवीजन की मंजूरी और संशोधित



लेआउट प्लान स्वीकृत है या नहीं। जेडीए की नागरिक सेवा संबंधी गाइडलाइन के अनुसार, प्लॉट के विभाजन के लिए निर्धारित प्रक्रिया, दस्तावेज और प्राधिकरण का आधिकारिक अनुमोदन महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में सवाल है कि क्या संबंधित जमीन का स्वीकृत नक्शा मौके पर हो रहे विकास से मेल खाता है? क्या सड़कें, रास्ते और अन्य सुविधाएं स्वीकृत योजना के अनुसार विकसित की जा रही हैं? या फिर जमीन की वास्तविक स्थिति और दस्तावेजों में अंतर है? इन बिंदुओं की जांच जरूरी है।

डीएलसी दर पर रजिस्ट्री, बाकी रकम नकद लेने का आरोप

जमीन के सौदे में सरकारी डीएलसी दर पर रजिस्ट्री और बाजार मूल्य के अनुसार शेष रकम नकद लेने की चर्चा भी मामले को गंभीर बनाती है। हालांकि, कथित नकद लेनदेन की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। यदि रजिस्ट्री में दर्ज रकम और वास्तविक सौदे की कीमत में अंतर है, तो बिक्री समझौते, भुगतान की रसीदें, बैंक लेनदेन और अन्य वित्तीय दस्तावेजों की जांच होनी चाहिए। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि संभावित खरीदारों को जमीन के वास्तविक उपयोग, स्वीकृतियों और पट्टे की शर्तों के बारे में पूरी जानकारी दी जा रही है या नहीं। सवाल यह है कि जमीन का पूरा सौदा किस कीमत पर हो रहा है और

है। इसलिए संबंधित परियोजना का RERA रजिस्ट्रेशन नंबर, स्वीकृत लेआउट प्लान और बिक्री की अनुमति से जुड़े दस्तावेज सामने आना जरूरी है। यदि परियोजना पर ऋद्धक लागू होता है और आवश्यक पंजीकरण नहीं कराया गया है, तो नियमानुसार कार्रवाई का प्रश्न उठ सकता है।

जेडीए के रिकॉर्ड में क्या दर्ज है?

अब निगम जेडीए पर हैं। संबंधित अधिकारियों को जमीन का खसरा नंबर, मूल पट्टा, भूमि उपयोग, स्वीकृत नक्शा, सबडिवीजन की अनुमति, लेआउट प्लान और ऋद्धक से जुड़े दस्तावेजों की जांच करनी चाहिए। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि मौके पर कॉलोनी विकसित करने की अनुमति किस आधार पर दी गई है और क्या वर्तमान गतिविधियां स्वीकृत योजना के अनुरूप हैं। यदि कोई उल्लंघन सामने आता है, तो संबंधित नियमों के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं, सभी आवश्यक अनुमतियां मौजूद होने पर आधिकारिक रिकॉर्ड के माध्यम से स्थिति स्पष्ट की जा सकती है।

अगले अंक में ‘द अनकवर्ड अपडेट’ करेगा दस्तावेजों की पड़ताल

‘द अनकवर्ड अपडेट’ इस पूरे मामले की तह तक पहुंचने के लिए अगले अंक में उपलब्ध दस्तावेजों की पड़ताल करेगा। जमीन के एकल पट्टे, सबडिवीजन एवं लेआउट प्लान की मंजूरी, जेडीए के रिकॉर्ड, RERA पंजीकरण, रजिस्ट्री और कथित भुगतान से जुड़े तथ्यों की जांच कर पाठकों के सामने वास्तविक स्थिति रखने का प्रयास किया जाएगा। आखिर ग्रुप हाउसिंग के एकल पट्टे पर किस तरह की योजना विकसित करने की अनुमति है? क्या कॉलोनी का लेआउट प्लान स्वीकृत है? क्या अलग-अलग भूखंडों की बिक्री के लिए जरूरी अनुमतियां ली गई हैं? क्या RERA पंजीकरण लागू होने के बावजूद उसके बिना बुकिंग या बिक्री की जा रही है? और डीएलसी दर पर रजिस्ट्री तथा कथित नकद भुगतान के आरोपों में कितनी सच्चाई है?

अगले अंक में पढ़िए—दस्तावेज क्या कहते हैं, नियमों में क्या प्रावधान हैं और इस जमीन के मामले की वास्तविक तस्वीर क्या है। फिलहाल, उपलब्ध जानकारी के आधार पर किसी भी अनियमितता की पुष्टि नहीं की जा सकती। संबंधित पक्षों का जवाब और जेडीए का आधिकारिक पक्ष मिलने पर उसे भी प्रकाशित किया जाएगा।

हिन्दी समाचार पत्र

THE UNCOVERED UPDATE

सच जो छुपा था, अब सामने है

द अनकवर्ड अपडेट

कवर के पीछे की खबर | Digital Edition

क्या आपके पास है भ्रष्टाचार?

से जुड़ी खबर?

अनियमितता, घोटाला या जनहित से जुड़ा मामला? हमें बताइए।

₹

भ्रष्टाचार

📄

अनियमितता

🏢

घोटाला

👥

जनहित से जुड़े मामले

📝

नियमों का उल्लंघन

सच

खबर भेजें • सच सामने लाएं

8946840063

तथ्यों की जांच के बाद खबर प्रकाशित की जाएगी।